www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 201 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
13 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:04
सूर्यास्तः 05:41
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार

आन्दोलन वही, जो सार्थक ... >>पेज 04
'काली सरकार 22 साल ... >>पेज 06
नवरात्रि के पहले दिन नैना ...



'कांग्रेस को नेतृत्व बदलना चाहिए'

योगी बोले-सपा को किसानों का श्राप ले डूबा, गोरखपुर में 9.18 लाख किसानों के खातों में 493 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए

आरोप

- योगी बोले- हुदहुद चक्रवात का पैसा सपा सरकार ने हजम किया
- योगी बोले- कांग्रेसी और समाजवादी लोग पैसा डकार जाते थे
- 9 लाख से अधिक किसानों के खातों में पहुंचेगी 493 करोड़ की राहत राशि : सूर्य प्रताप

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । सीएम योगी ने कांग्रेस पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए अराजकता फैलाने से बाज नहीं आई तो जनता उसका बचा-खुचा राजनीतिक अस्तित्व भी समाप्त कर देगी। योगी ने कहा कि कांग्रेस को अपना नेतृत्व बदलना चाहिए। जिस नेतृत्व पर जनता का विश्वास नहीं रह गया है, उसे बदलने की आवश्यकता है।

सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि सपा सरकार में हुदहुद तूफान आया तो केंद्र ने किसानों की मदद के लिए 3,200 करोड़ रुपए दिए थे, लेकिन 800 करोड़ रुपए बांटकर बाकी रकम हड़प ली गई। किसानों का श्राप लगा और सपा सरकार चली गई। सीएम गोरखपुर में सोमवार को किसानों को राहत राशि बांटने के कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां से उन्होंने प्रदेश के 9.18 लाख किसानों के खातों में 493 करोड़ रुपए की राहत राशि ट्रांसफर की।

>> (शेष पेज 06 पर)



योगी बोले– करीब 500 करोड़ रुपए किसानों के खातों में भेजे जा रहे

> सीएम ने कहा कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने हुदहुद चक्रवात से जुड़े मुआवजे की जांच कराई। जांच में पता चला कि किसानों को पूरा पैसा नहीं मिला था। इसके बाद अलग से धनराशि निकालकर करीब दो साल बाद किसानों के खातों में पैसा भेजा जा सका। उन्होंने कहा कि अच्छी सरकार आती है तो अच्छा काम करके जाती है। इससे पहले भी सरकार किसानों को फसल के नुकसान की भरपाई कर चुकी है।

योगी ने कहा- आकाशीय बिजली से मौत पर 24 घंटे में 5 लाख की मदद की गई

सीएम योगी ने कहा कि मौसम की जानकारी देने के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाया जा रहा है। 2017 से पहले आकाशीय बिजली गिरने से बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती थी। अब कई जिलों में यह सिस्टम लगाया गया है, जो फोन के माध्यम से बिजली गिरने की सूचना देकर लोगों को सतर्क करता है। इससे बड़े पैमाने पर जनहानि रोकी गई है। इसके बावजूद कोई व्यक्ति आकाशीय बिजली की चपेट में आता है तो 24 घंटे के भीतर 5 लाख रुपए की सहायता दी जाती है। सीएम ने कहा कि चक्रवात और अतिवृष्टि से बड़े नुकसान के बावजूद सरकार ने 10 दिन के भीतर मुआवजा भेजा है।

एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका लगाई

पहली बार विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट तक मार्च

मांग

नेहा बोरा आगे, साथ में प्रियंका और पीछे कवर देते राहुल विपक्ष के पैदल मार्च में जबरदस्त भीड़

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। उन्हें 500 मीटर पहले रोक दिया गया था। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। SIR में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है।

रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया और याचिका दाखिल करने के लिए कहा था।

>> (शेष पेज 06 पर)



विपक्ष का प्रदर्शन बाराखंभा रोड से निकाला गया था। जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

10 विपक्षी पार्टियों के 11 नेता याचिकाकर्ता

- राहुल गांधी - कांग्रेस
- मल्लिकार्जुन खड़गे - कांग्रेस
- सौगत राय - तृणमूल कांग्रेस
- अखिलेश यादव - समाजवादी
- तेजस्वी प्रसाद यादव - राष्ट्रीय जनता दल
- संजय राउत - (शिवसेना)
- एम. ए. बेबी - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)
- डी. राजा - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
- महुआ माझी - झारखंड मुक्ति मोर्चा
- सुप्रिया सुले - राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार)
- ई. टी. मोहम्मद बशीर - इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग





> तेजस्वी यादव ने कहा, देश की जनता उन्हें नहीं भूलेगी। हम सभी लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए एकजुट हुए हैं। अब उन्हें सजा देने का समय आ गया है।

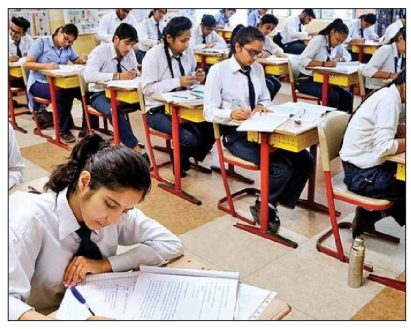
राहुल की लीगल टीम ने समय-सीमा बढ़ाने की मांग की

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कानूनी टीम सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री के शाम 4:30 बजे बंद होने की समय-सीमा के बाद याचिका दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने की मांग कर रही है। आम तौर पर ऐसे मामलों में पक्षकार सुप्रीम कोर्ट की ई-फाइलिंग सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो 24x7 उपलब्ध रहती है। अखिलेश यादव ने कहा- आंदोलन और धरना जारी रहेगा। लोकतंत्र को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। BJP, चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। वह हमेशा सत्ता में बने रहना चाहती है। वे फर्जी वोटर लिस्ट बनाते हैं, फर्जी वोट डालते हैं और चुनाव के नतीजे तैयार करते हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले 20 दिन में खत्म होगी

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं की परीक्षाएं 5 फरवरी से

प्रयागराज । यूपी बोर्ड ने सोमवार शाम हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का टाइमटेबल घोषित कर दिया। परीक्षाएं 5 फरवरी 2027 से शुरू होकर 24 फरवरी 2027 तक चलेंगी। इसके बाद बाद यूपी में विधानसभा चुनाव होंगे। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया, 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं एक साथ होंगी और 2 पालियों में कराई जाएंगी। पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। 5 फरवरी को पहली पाली में 10वीं-12वीं की हिंदी की परीक्षा होगी। वहीं 24 फरवरी को आखिरी दिन संस्कृत और कृषि विषय का पेपर होगा। इस बार बोर्ड परीक्षाएं 20 दिनों के भीतर करा ली जाएंगी। इसके तहत हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं निर्धारित अवधि में 15 दिन में कराई जाएंगी।



फास्ट न्यूज

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में तेज बारिश

नई दिल्ली । दिल्ली और NCR के कई इलाकों में सोमवार सुबह बारिश हुई। इसकी वजह पाकिस्तान की ओर से आने वाला मौसमी सिस्टम है। मौसम विभाग के मुताबिक, पाकिस्तान के ऊपर बना सिस्टम भारत में दिल्ली-हरियाणा, हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तरी मध्य प्रदेश तक फैला है।

राहत ट्रांसफर

सीएम योगी ने 9.18 लाख किसानों के लिए खोला खजाना

नई दिल्ली। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 9,18,091 किसानों के लिए सरकार का खजाना खोल दिया। बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से प्रभावित किसानों को उन्होंने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सोमवार को सीधे राहत भेजी। कृषि निवेश अनुदान राशि के रूप में कुल 493 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में प्रदेश में बड़े पैमाने पर फसल को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर जनहानि और पशुहानि हुई है।

मणिपुर में व्यक्ति का कटा सिर लौटाने की मांग

गुवाहाटी। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में 52 साल के अजिनबोउ आर की हत्या के बाद उनका कटा सिर लौटाने की मांग उठी है। नगा संगठन जॉइंट ट्राइब्स काउंसिल मणिपुर ने केंद्र और राज्य सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। संगठन ने कहा है कि सिर मिलने तक पोस्टमॉर्टम नहीं होने दिया जाएगा।

जंतर-मंतर पर धरना बैन सरकार ने 33 साल पहले इजाजत दी थी

अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना यहीं हुए

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया है। सरकार ने 33 साल पहले जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगह तय किया था। गृह मंत्रालय की बनाई कमेटी की सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का CBD ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। यहीं पर अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना हुआ था। गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और CBD ग्राउंड नाम तय किए। यहां के लिए एसओपी अलग से जारी की जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)



सीजेपी को प्रदर्शन की परमिशन देने से पुलिस का इनकार

कॉकरोच जनता पार्टी ने CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR पर रोक की मांग को लेकर सोमवार को भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी, लेकिन पुलिस ने इनकार कर दिया। इससे पहले CJP ने 20 जून से 25 जुलाई तक NEET पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 आतंकी ढेर

घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे, बारूदी सुरंग की चपेट में आए

भारतीय सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी है।

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर समेत चार आतंकी मारे गए। चारों की पहचान मोहम्मद इश्तियाक, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद वकास और मोहम्मद असीम के रूप में हुई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों का यह समूह सोमवार दोपहर बाद कृष्णा घाटी सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वे बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में पहुंच गए, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)





> अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में इसी इलाके में करीब एक दर्जन बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा चुका है।

मेंढर सेक्टर में दो बारूदी सुरंगें नष्ट की गईं

एक अन्य घटना में, भारतीय सेना ने सोमवार को पुंछ के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सीमा पर लगी बाड़ के पास दो पुरानी बारूदी सुरंगों का पता लगाया।

अधिकारियों के अनुसार, सुबह 8:25 बजे रास्ता बनाने के काम के दौरान ये सुरंगें मिलीं। सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए दोनों बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया।

भीटी के बनखोदवा गांव में वारदात के बाद हंगामा : एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े परिजन

घर में घुसने से रोका तो बांस से सिर पर किया वार, महिला की मौत

- नदी में नीलगायों के शव मिलने का मामला भी उठाया
- एसपी को बुलाने की मांग, शव उठाने से रोका
- नदी में नीलगायों के शव मिलने का मामला भी उठाया

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के बनखोदवा गांव में सोमवार शाम घर में घुसने से रोकने पर एक व्यक्ति पर महिला की बांस से पीटकर हत्या करने का आरोप लगा है। बताया गया कि घर में अकेली सुषमा ने जब आरोपी को अंदर आने से रोका तो उसने पास में पड़ा बांस उठाकर उनके सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से सुषमा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई। परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए शव उठाने से रोक दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)



> मौके पर सीओ लक्ष्मीकांत मिश्रा पुलिस बल के साथ पहुंचे। वह परिजनों और ग्रामीणों को समझाने तथा उन्हें शांत कराने में जुटे रहे। परिजन उच्चाधिकारी की मौजूदगी में मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग कर रहे थे।



घर में घुसने का विरोध किया तो सिर पर किया हमला

बनखोदवा निवासी रामजस निषाद की पत्नी सुषमा सोमवार शाम घर पर अकेली थीं। परिजनों के मुताबिक, रामजस बाहर रहकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। इसी दौरान गांव का एक व्यक्ति उनके घर पहुंचा और अंदर घुसने लगा। सुषमा ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने पास में पड़ा बांस उठा लिया और उनके सिर पर वार कर दिया। हमले में सुषमा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। वारदात को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रपति ने 6 राज्यों में नियुक्त किए नए राज्यपाल

ओपी माथुर अब केरल के गवर्नर

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 6 राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की है. राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इन नियुक्तियों का प्रभाव संबंधित राज्यपालों के पदभार संभालने की तारीख से होगा. इसके तहत सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है. वहीं, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु का राज्यपाल बनाया गया है.

ओम प्रकाश माथुर बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राजस्थान से पूर्व राज्यसभा सांसद हैं. उन्हें जुलाई 2024 में सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया था. अब उन्हें केरल भेजा गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)



- संगठनात्मक, जातीय और क्षेत्रीय समीकरण का ध्यान

नोएडा-गाजियाबाद में बारिश ■ गोंडा में सांप पकड़ने वाले के पैर से लिपटा अजगर

बाढ़, कॉलोनियों में गर्दन तक पानी भरा

समस्या

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बाढ़ मुसीबत बनी हुई है। लखनऊ लगातार 15वें दिन भी बाढ़ की चपेट में है। कॉलोनियों में गर्दन तक पानी भरा हुआ है। 40 हजार से ज्यादा घर अब भी जलमग्न हैं। 3 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित है। चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में भी घुटनों तक पानी भरा है। उन्नाव में गंगा नदी उफान पर है। गली-मोहल्लों में नाव चल रही है। गोंडा में घाघरा की बाढ़ से 10 गांव प्रभावित हैं। वहीं, राजगढ़ अमीनपुर गांव में शनिवार शाम एक सांप पकड़ने वाले शख्स के पैर में अजगर लिपट गया। आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसने खुद को छुड़ाया। इधर,



गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। सोमवार सुबह 9:30 बजे नदी एल्गिन ब्रिज पर खतरे के निशान पर बह रही है। तरबगंज तहसील क्षेत्र का ब्योन्दा, माझा गांव अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। 1000 से अधिक लोगों को लगातार बाढ़ राहत सामग्री और लंच पैकेट का दिया जा रहा है।

सोमवार सुबह से नोएडा, गाजियाबाद, बरेली, मथुरा और अलीगढ़ समेत 5 शहरों में गरज-चमक के साथ बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के 15 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ओले गिरने की भी आशंका जताई है। इससे पहले रविवार को मेरठ और शामली में ओले गिरे। बिजनौर में आंधी से कई जगह

नवरात्रि के साथ बरेली में गुलाबी ठंड की दस्तक

बरेली में शारदीय नवरात्रि के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम के वक्त हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। सोमवार सुबह घरों से बाहर निकले लोगों को मौसम में आए बदलाव का अहसास हुआ। सुबह आसमान में बादल छाए रहे और कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई।

पेड़ उखड़ गए। वाराणसी में मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया- मध्य पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों में बने हवा के कम दबाव वाले क्षेत्र की वजह से नमी और बादल इकट्ठा हो रहे हैं। इसका असर पश्चिमी यूपी से होता हुआ मध्य प्रदेश तक पड़ रहा है। इस मौसमी बदलाव के कारण पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों में बादल छाने, तेज हवाएं चलने या बारिश होने की संभावना बन



आगरा में सुबह से छाए बादल हल्की ठंड का एहसास

आगरा में सोमवार सुबह से बादल छाए हैं। करीब 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। इसके चलते सुबह मौसम खुशनुमा रहा। गर्मी का अहसास कम रहा। तड़के हल्की सर्दी महसूस हुई। आज दिनभर तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी की संभावना है।

रही है। बरेली में शारदीय नवरात्रि के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम के वक्त हल्की ठंडक महसूस होने लगी है।

नेपाल में लैंड स्लाइड के बाद कुशीनगर में बाढ़ का खतरा, 50 गांवों में अलर्ट

नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह लैंड स्लाइड से बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़ आ गई। पानी अब नारायणी नदी की तरफ बढ़ रहा है। 50 गांवों में अलर्ट है। तरया सुजान में बना एपी तटबंध पहले से ही टूटा हुआ है। इससे खतरा और बढ़ गया है।

सोमवार सुबह घरों से बाहर निकले लोगों को मौसम में आए बदलाव का अहसास हुआ। सुबह आसमान में बादल छाए रहे और कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई।

टेंट की दुकान में निकला कोबरा, मचा हड़कंप





तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मद-पुर खाला थाना क्षेत्र के बल्लोपुर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब राजू टेंट लाइट की दुकान में एक कोबरा सांप दिखाई दिया। दुकान में सांप देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अचानक कोबरा दिखाई देने से लोग सतर्क हो गए और किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम के सदस्य रामचंद्र, दिनेश और रामराज मौके पर पहुंचे। टीम ने स्थिति का जायजा लिया और सावधानीपूर्वक सांप को रेस्क्यू करने की कार्रवाई शुरू की। काफी सतर्कता के साथ टीम ने कोबरा को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। इसके बाद दुकान संचालक और आसपास मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। दुकान में कोबरा निकलने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में भी चर्चा का माहौल रहा। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वन विभाग की टीम की तत्परता से सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया।

फास्ट न्यूज

मां विशालाक्षी को शृंगार सामग्री अर्पित

वाराणसी । शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से काशी की अधिष्ठात्री देवी मां विशालाक्षी के लिए विशेष शृंगार सामग्री अर्पित की गई। शक्ति की देवी को अर्पित की जाने वाली यह सामग्री सबसे पहले परंपरा के अनुसार बाबा विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) को पूरे विधि-विधान से अवलोकित कराई गई। इस पावन अवसर पर काशी विश्वनाथ धाम परिसर में विद्वान शास्त्रियों द्वारा नवदुर्गा सप्तशती का विधिवत पाठ भी किया गया।

अखिलेश के फैसले से बीजेपी में भगदड़ मचेगी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप ने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अखिलेश यादव के फैसला लेते ही भाजपा में बड़ी भगदड़ मचेगी। उन्होंने कहा कि अभी तो शुरुआत हुई है और चुनाव की तारीख आने से पहले भाजपा को बड़े राजनीतिक उलटफेर का सामना करना पड़ सकता है। अरविंद सिंह गोप ने कहा कि मौजूदा समय में अखिलेश यादव जैसा नेता पूरे देश में कोई नहीं है। जनता को उन पर भरोसा है, क्योंकि वह जो कहते हैं, उससे पीछे नहीं हटते।

वाराणसी में गंगा घाटों की सफाई

वाराणसी । वाराणसी में बाढ़ के बाद गंगा तटों की सफाई के लिए नमामि गंगे के स्वयंसेवक अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को गंगा सेवक राजेश शुक्ला के संयोजन में काशी के 85वें पक्के घाट, सामने घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान "आओ मिलकर हाथ बढ़ाएं, बाढ़ के बाद गंगा को फिर स्वच्छ बनाएं" का संदेश दिया गया। स्वयंसेवकों ने गंगा किनारे जमा बाढ़ के मलबे और गंदगी की सफाई की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। परिवार की जिम्मेदारियां निभाने के लिए मजदूरी करने निकले दो युवकों को क्या पता था कि घर लौटते समय रास्ते में मौत उनका इंतजार कर रही है। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में बरैय्या स्थित नाग बाबा मंदिर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दूसरे दिन राधेश्याम गौतम (30) ने दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरा युवक अजय चौहान अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। हादसे में एक युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, जबकि गांव में भी शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के छंगेपुर गांव निवासी राधेश्याम पुत्र मुन्नीलाल गौतम (30) और अजय चौहान पुत्र राम सिंह शनिवार को मजदूरी करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। दोनों बरैय्या गांव के पास पहुंचे ही थे कि इसी दौरान एक अज्ञात ट्रैक्टर ट्रॉली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के बाद घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, परिजन दोनों युवकों को उपचार के लिए हिंद अस्पताल लेकर चले गए। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था। इस बीच रविवार देर रात उपचार के दौरान राधेश्याम की मौत हो गई।

जनता दोनों को हराएगी, आजमगढ़ में कहा- हमें गांधी-नेहरू की जरूरत नहीं

बाबा आ जाओ संभल अखिलेश जाओ गोरखपुर : ओवैसी

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़ । AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी रविवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने सीएम योगी को संभल से चुनाव लड़ने का चैलेंज दिया। ओवैसी ने कहा-बाबा अखिलेश यादव से कह रहे हैं, 'आ जाओ अयोध्या।' ओवैसी बाबा से कह रहा है, 'आ जाओ संभल।' अखिलेश, 'जाओ गोरखपुर।' मजलिस (जनता) दोनों को हराएगी। आगे ओवैसी ने कहा कि अगर आज के दौर में कोई नेहरू-गांधी बनने का दावा करेगा, तो हम उसके पीछे नहीं दौड़ेंगे। हम अपनी सफों से एक नेता बनाएंगे। अब हमें गांधी-नेहरू की जरूरत नहीं है। हमें अपने नेताओं की जरूरत है। गांधी



मौलाना आजाद को कैबिनेट में मंत्री बनने नहीं देना चाहते थे। उन्होंने इसके लिए नेहरू को खत लिखा था। मैं यहां नेता बनने नहीं आया हूं। मेरी जिंदगी के कई ख्वाबों में एक ख्वाब यह भी है कि मैं उत्तर प्रदेश में तुम्हारी आवाज बन जाऊं, तुम्हारा नेता बन जाऊं।

ओवैसी ने दीदारगंज विधानसभा क्षेत्र में रविवार शाम 7:40 बजे जनसभा की। इसमें करीब 15 हजार लोग पहुंचे।

ओवैसी ने युवाओं से कहा कि शादी करें और अपनी पत्नी से प्यार का इजहार करने में न हिचकें। दहेज लेना कमजोरी की निशानी है। पत्नी से जितनी बार 'आई लव यू' कहेंगे, उसे उतना ही सुकून और इत्मीनान मिलेगा।

ओवैसी ने कहा कि आजमगढ़ उत्तर प्रदेश का चौथा सबसे गरीब जिला है, इसके बावजूद सरकार विकास के दावे कर रही है। सरकार को बुलडोजर की कार्रवाई के बजाय युवाओं को रोजगार, बच्चों को शिक्षा और किसानों को सुविधाएं देने पर ध्यान देना चाहिए। महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा जैसे मुद्दे हिंदू-मुस्लिम सभी परिवारों को प्रभावित करते हैं। मुसलमानों के खिलाफ कार्रवाई से आम लोगों की समस्याएं हल नहीं होंगी।



ओवैसी ने युवाओं से कहा- नेताओं की सभाओं में सिर्फ दरी बिछाने से कुछ हासिल नहीं होगा

जनसभा में ओवैसी ने युवाओं से कहा कि राजनीति में केवल नेताओं के लिए नारे लगाने या उनकी सभाओं में दरी बिछाने से कुछ हासिल नहीं होगा। यह लड़ाई राजनीतिक हिस्सेदारी की है और युवाओं को इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी। देश गरीबों का है और उनके हितों की रक्षा होनी चाहिए।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजर्षि त्रिपाठी बोले जांच में संक्रमित पाए जाने वाले मरीजों को दिया जाएगा उपचार

सूरतगंज में 50 लोगों के लिए गए खून के नमूने

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित मरीजों की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज की स्वास्थ्य टीम ने प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच के लिए अभियान चलाया। इस दौरान मलेरिया निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में सूरतगंज कस्बा , टेपरा , रुहेरा, सुढ़ियामऊ गांव से करीब 50 लोगों के खून के नमूने एकत्र किए गए। इन नमूनों की जांच के माध्यम से मलेरिया सहित संभावित संक्रमण की स्थिति का पता लगाया जाएगा, ताकि समय



रहते मरीजों को उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके। स्वास्थ्य टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर बुखार से पीड़ित लोगों की जानकारी जुटाई और आवश्यक जांच के लिए रक्त के नमूने लिए। नमूने देने वालों में अर्पित, चंदन, अभिषेक, रामबरन वर्मा, मोहम्मद हाफिज और अभिषेक सहित अन्य लोग शामिल रहे। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में बुखार के मामलों की वास्तविक स्थिति का पता लगाने में मदद मिलेगी। अभियान के दौरान



जांच के बाद मरीजों को मिलेगा उपचार

सीएचसी सूरतगंज के अधीक्षक डॉ. राजर्षि त्रिपाठी ने बताया कि स्वास्थ्य टीम की ओर से एकत्र किए गए रक्त के नमूनों की स्लाइड तैयार कर जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट में मलेरिया या अन्य संक्रमण की पुष्टि होने पर संबंधित मरीजों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों की पहचान कर समय से इलाज देना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नमूने एकत्र करने के साथ आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी जुटाई। टीम में अशोक कुमार, टेपरा, अनुराग, विशाल, बदरुल, कमल, प्रभात सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बेटे को चोरी की ट्रेनिंग, पिता खुद करता था रेकी

गोरखपुर। गोरखपुर में पिता ने 20 साल के बेटे को चोरी करना सिखाया। दोनों ने मिलकर 3 महीने में रेलवे कॉलोनी के 6 घरों को निशाना बनाया। दिनदहाड़े वारदात कर जेवर और नकदी चुराते थे। पिता बंद क्वार्टरों की रेकी करता था, फिर बेटा घरों के पिछले दरवाजे तोड़कर अंदर घुसता था।

चोरी के गहने घर के आंगन में मिट्टी खोदकर छिपा देते थे। शाहपुर पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने बाप-बेटे को गिरफ्तार कर 6 चोरियों का खुलासा किया है। आरोपियों के घर से करीब 50 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने और 90,500 रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रत्नेश अग्रहरी और उसके पिता रविंद्र प्रसाद अग्रहरी के रूप में हुई है। दोनों मोहनापुर पासी टोला, पादरी बाजार के निवासी हैं। रविंद्र प्लंबर का काम करता था और रेलवे कॉलोनी में उसका आना-जाना था।

पुलिस का कहना है कि पिता बंद क्वार्टरों की रेकी करता था।

पटाखा बैन, कम प्रदूषण वाले तरीके अपनाएं : सुप्रीम कोर्ट

जागरूकता और कम प्रदूषण वाले पटाखों पर जोर

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-NCR में पटाखों पर रोक लगाने की मांग पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन जरूरी है। CJI सूर्यकांत की बेंच ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा, अगर भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना शामिल थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पटाखों से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के बारे में



वकील ने कहा-भगवान को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे बीमार हो रहे तो वो भी हैरान होंगे

लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदेश देने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसे व्यावहारिक और लागू करने योग्य बनाया जा सकता है या नहीं।

CJI ने कहा कि लोगों को समझदार बनाना होगा और जागरूक करना होगा। उन्हें बताना होगा कि कौन से पटाखे ज्यादा नुकसानदायक हैं। हमें लोगों को अपनी मूल संस्कृति की ओर लौटने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

तलाश : कारोबारी की हत्या में आरोपी श्रद्धा दुबे का पति से तलाक, एक बेटा भी है

वॉन्टेड मॉडल दिल्ली भागी, करीबी हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 28 साल के कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या में वॉन्टेड मॉडल श्रद्धा दुबे की तलाश तेज कर दी गई है। उसकी लोकेशन दिल्ली में मिली है। पुलिस की एक टीम वहां रवाना कर दी गई है। हजरतगंज पुलिस ने रविवार को श्रद्धा के 2-3 करीबियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि, उनके नाम अभी उजागर नहीं किए हैं। पुलिस ने उनसे शिवा और श्रद्धा के रिलेशन के बारे में जानकारी हासिल की है। पुलिस जांच में सामने आया कि श्रद्धा दुबे रायबरेली की रहने वाली है। उसकी शादी हो चुकी है। एक बेटा भी है। 2022 में श्रद्धा का पति से तलाक हो गया था। बेटा पति के साथ रहता है। इसके बाद वह बालू अड्डे के पास अवध ग्रीन अपार्टमेंट में फ्लैट किराए पर लेकर रहने लगी थी। श्रद्धा के



पास ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो थी, जिसे उसने पिछले साल खरीदा था। 3 दिन पहले यानी 9 अक्टूबर को इसी अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर शिवा की मौत हो गई थी। शिवा, श्रद्धा के साथ 4 महीने से लिव-इन में रह रहा था। उसकी बॉडी पर सिर्फ अंडरवियर थी। चेहरे पर लिपस्टिक लगी हुई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि श्रद्धा और शिवा की मुलाकात एक क्लब में हुई थी। श्रद्धा के नेताओं, टॉप ब्यूरोक्रेट और इंडियन क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से संपर्क हैं। वह बेटे को उनके नाम पर डराकर ब्लैकमेल करती थी। 12 अगस्त 2025 को विभूतिखंड थाना क्षेत्र में शिवा शर्मा से 1 लाख रुपए की रंगदारी वसूलने, गाली-गलौज करने और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था।

श्रद्धा, बहन रश्मि, ड्राइवर आदिल समेत 5 के खिलाफ मुकदमा

शिवा की मां रंजना शर्मा ने बेटे की मौत मामले में श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि, ड्राइवर आदिल समेत 5 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। उनका आरोप है कि श्रद्धा ने ही बेटे को चौथी मंजिल से धक्का दिया। शिवा की बॉडी पर कई जगह सिगरेट से दागने से निशान थे।



अपार्टमेंट के सीसीटीवी में नजर आई श्रद्धा

पुलिस ने अवध ग्रीन अपार्टमेंट और लोहिया अस्पताल के CCTV फुटेज भी खंगाले हैं। इनमें श्रद्धा अपने ड्राइवर, बहन और कुछ अन्य लोगों के साथ दिखाई दी है। ऐसे में यह क्लीयर है कि जब शिवा अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरा, उस वक्त श्रद्धा वहां मौजूद थी। घटना के बाद वह फरार क्यों हुई? पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद यह सब क्लीयर हो पाएगा।

'साहब गलती हो गई इस बार माफ कर दो अब कभी नहीं करूंगा '

वाराणसी में 13 साल की बच्ची से रेप करने वाला थाने में रोया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में 13 साल की बच्ची से रेप करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जब पुलिस उसे थाने लेकर आई, तो वह रोने लगा। हाथ जोड़ कर कहने लगा- साहब, गलती हो गई। इस बार माफ कर दीजिए। आगे से कभी गलती नहीं होगी। फिलहाल पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

दरअसल, रविवार रात घरवालों ने थाने में बेटी से रेप का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने रात में ही आरोपी के घर पर दबिश देकर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। घटना चौक थाना क्षेत्र की है।

बेनियाबाग मलिन बस्ती के पास सामुदायिक सुलभ शौचालय है। रविवार दोपहर करीब 3 बजे



लड़की उसी शौचालय में गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद युवक दुलारे अंसारी उसे अंदर खींच ले गया और उससे रेप किया। इसके बाद दुलारे लड़की को वहीं छोड़कर भाग गया था। बाद में लड़की ने घर पहुंचकर घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिवार के लोग थाने पहुंचे और दुलारे अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया- घरवालों की शिकायत पर मुकदमा लिखकर लड़की का मेडिकल कराया गया। घटनास्थल की जांच के बाद साइंटिफिक टीम भी बुलाई गई थी। इसके बाद दबिश देकर दुलारे अंसारी (30) को बेनियाबाग इलाके से पकड़ा गया। युवक थाने लाने पर रोने लगा। उसने हाथ जोड़कर कहा- साहब इस बार माफ कर दीजिए। आज से सभी लड़कियों को बहन मानूंगा। फिलहाल उसे जेल भेज दिया गया है। एसीपी ने बताया- 2 दिन में इस मामले में जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दायर की जाएगी। साथ ही फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का आवेदन दिया जाएगा। जिससे लड़की को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

18 टीमों के बीच वॉलीबॉल का मुकाबला

प्रतियोगिता

परुइया आश्रम में अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता शुरू, कुलपति ने किया उद्घाटन

- देव इंद्रावती और विश्वविद्यालय परिसर ने बनाई बढ़त
- मंगलवार को सेमीफाइनल और फाइनल

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बाबा बरुआ दास पीजी कॉलेज, परुइया आश्रम में सोमवार को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की दो दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई। कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसके बाद श्वेत कपोत और गुब्बारे उड़ाकर खेल आयोजन की शुरुआत की गई। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की 18 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर की टीम ने मेजबान कॉलेज को हराया। देव इंद्रावती पीजी कॉलेज ने दूसरे मुकाबले में पं. रामचरित्र पीजी कॉलेज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्वविद्यालय परिसर की टीम ने केएनआई सुल्तानपुर को भी पराजित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. परेश कुमार पाण्डेय ने अतिथियों, टीम प्रबंधकों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक एवं क्रीड़ा सचिव डॉ. कुलदीप सिंह ने खिलाड़ियों से अनुशासन बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यप्रकाश पाण्डेय ने किया। समारोह में प्रबंध निदेशक महंत देवेंद्र दास, उप प्रबंधक पूर्णमासी यादव, विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह, क्रीड़ा पर्यवेक्षक प्रो. पूनम जोशी, उपप्राचार्य प्रो. पवन कुमार गुप्त सहित शिक्षक, कर्मचारी, विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिनिधि और छात्र मौजूद रहे। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।



खेल से अनुशासन और संयम सीखते हैं खिलाड़ी

उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि खेल अनुशासन, संयम और प्रतिबद्धता सिखाते हैं। खिलाड़ियों को निर्णायकों के फैसलों का सम्मान करते हुए खेल भावना के साथ प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में जल्द ही सात दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना की जानकारी भी दी।

उद्घाटन मैच में केएनआई सुल्तानपुर की जीत

पहला मुकाबला कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर और श्री विश्वनाथ महाविद्यालय, कलान के बीच हुआ। इसमें केएनआई सुल्तानपुर ने जीत दर्ज की। बीएनकेबी पीजी कॉलेज ने साकेत पीजी कॉलेज को हराया, जबकि मेजबान बाबा बरुआ दास पीजी कॉलेज ने संत तुलसीदास पीजी कॉलेज को शिकस्त दी। देव इंद्रावती पीजी कॉलेज ने बैजनाथ शिवकला पीजी कॉलेज को पराजित किया।

निष्पक्ष कार्रवाई और पत्रकारिता की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की मांग

पत्रकारों की हिरासत पर अंबेडकरनगर में विरोध

लिविंग इंडिया और हिंदी खबर न्यूज के संपादकों व पत्रकारों को हिरासत में लेने का मामला उठा

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। हरियाणा में लिविंग इंडिया और हिंदी खबर न्यूज के संपादकों व पत्रकारों को हिरासत में लिए जाने के मामले को लेकर सोमवार को अंबेडकरनगर में पत्रकारों ने विरोध जताया। प्रेस क्लब अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी के नेतृत्व में पत्रकारों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र पत्रकारिता से जुड़े मुद्दों पर अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र में जनहित से जुड़े मामलों को सामने लाने और आम लोगों की समस्याओं को उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे मामलों में कार्रवाई करते समय निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पत्रकारों ने मांग की कि हिरासत से जुड़े मामले में तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई हो। साथ ही पत्रकारों के अधिकारों और स्वतंत्र रूप से काम करने की व्यवस्था का संरक्षण किया जाए।

प्रेस क्लब अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पत्रकारों ने अपनी मांगें रखीं। इस दौरान कार्तिकेय द्विवेदी, अखिलेश तिवारी, रोशन गुप्ता, गिरजेश सिंह, अरविंद मिश्रा, अहमद मेंहदी और लालजी चतुर्वेदी मौजूद रहे। पत्रकारों ने ज्ञापन के जरिए संबंधित मामले पर ध्यान देने और पत्रकारिता की स्वतंत्रता से जुड़े सवालों पर उचित कार्रवाई की मांग की।

फास्ट न्यूज

नवरात्र में अंडे की दुकान से उठी दुर्गंध

हजपुरा, अंबेडकरनगर। नवरात्र के दौरान हजपुरा बाजार में अंडे की दुकान पर आमलेट बनाए जाने से उठ रही दुर्गंध को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई है। बाजारवासियों का कहना है कि इससे खरीदारी के लिए आने वाले लोगों और राहगीरों को परेशानी होती है। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नवरात्र के दौरान बाजार में पूजा-पाठ से जुड़ी सामग्री और अन्य जरूरी सामान खरीदने के लिए लोगों की आवाजाही रहती है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की कमान परशुराम चौधरी को

अंबेडकरनगर। भाजपा ने परशुराम चौधरी को अनुसूचित जाति मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश नेतृत्व की ओर से नई जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक रावत ने नियुक्ति की घोषणा की। जिलाध्यक्ष के रूप में परशुराम चौधरी के सामने जिले में मोर्चा की संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की जिम्मेदारी होगी।

शिकायतों की सुनवाई में एसपी सख्त

अंबेडकरनगर। आम लोगों की शिकायतों के निस्तारण को लेकर पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सोमवार को अपने कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने शिकायतों का निस्तारण समयसीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

छात्राओं के उत्पीड़न पर कांग्रेस को घेरने पहुंचीं भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता

कांग्रेस कार्यालय पर प्रदर्शन कर उठाए सवाल



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। छात्राओं के कथित उत्पीड़न के मामले को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और पार्टी नेतृत्व से मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की। प्रदर्शन में भाजपा के अन्य कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

भाजपा नेत्री विद्यावती राजभर ने कहा कि मामले में कांग्रेस सांसद प्रोफेसर आंगोमाचा विमोल अकोईजामा के खिलाफ कार्रवाई हुई है, लेकिन कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने राहुल गांधी पर इस मुद्दे पर मौन रहने का आरोप लगाया और जवाब मांगा।

विद्यावती राजभर ने आरोप लगाया कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मामलों में कांग्रेस गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा महिलाओं के अधिकारों और छात्राओं की सुरक्षा के मुद्दे पर आवाज उठाता रहेगा।

नवरात्र में मनचलों और संदिग्धों पर रहेगी बाइक दस्तों की नजर

हर थाने में उपनिरीक्षक समेत चार पुलिसकर्मियों की टीम तैनात

- शाम चार से रात 10 बजे तक विशेष चेकिंग
- शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र और दुर्गापूजा के दौरान महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जिले में मोटरसाइकिल चेकिंग दस्ते सक्रिय किए गए हैं। सोमवार को पुलिस लाइन में एसपी प्राची सिंह ने नामित पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए। इसके बाद दस्तों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिले के प्रत्येक थाने में एक उपनिरीक्षक और तीन मुख्य आरक्षी या आरक्षी को शामिल कर दस्ता बनाया गया है। ये टीमें 22 अक्टूबर तक विशेष रूप से सक्रिय रहेंगी। इसके बाद जरूरत के अनुसार त्योहारों पर इन्हें दोबारा चेकिंग की जिम्मेदारी दी जाएगी। दस्ते दुर्गापूजा पंडालों, रामलीला मंचों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और चिह्नित संवेदनशील स्थलों पर गश्त करेंगे। शाम चार बजे से रात 10 बजे तक विशेष चेकिंग अभियान चलेगा। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के साथ सड़क अपराधों की रोकथाम पर ध्यान दिया जाएगा। प्रत्येक दस्ते के कम से कम एक पुलिसकर्मी को बॉडी वॉर्न कैमरा लगाना अनिवार्य होगा। एसपी ने पुलिसकर्मियों को सतर्कता और शालीनता के साथ ड्यूटी करने को कहा। छेड़छाड़, महिला संबंधी अपराध, मारपीट, सड़क दुर्घटना या कानून-व्यवस्था से जुड़ी सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। घटना की जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को भी देनी होगी। पुलिसकर्मी पंडाल समितियों, स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों के संपर्क में रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में कमी या अतिरिक्त उपकरणों की जरूरत होने पर थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी को सूचना देंगे। क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी दस्तों की आकस्मिक जांच करेंगे।



मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जुटेंगे राजनीतिक दल

तमसा संकेत, संवाददाता



- 18 वर्ष पूरे कर चुके युवाओं और विवाह के बाद जिले में आई पात्र महिलाओं के पंजीकरण का विशेष अभियान, हर बूथ पर बीएलए तैनात करने की अपील

अंबेडकरनगर। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिकों को जोड़ने के लिए निर्वाचन विभाग ने राजनीतिक दलों से सहयोग मांगा है। खास तौर पर पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं और विवाह के बाद जिले में आईं उन पात्र महिलाओं पर ध्यान देने को कहा गया है, जिनका नाम अभी निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से प्रत्येक बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने और उनकी सूची निर्वाचन कार्यालय को देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि बीएलए अपने क्षेत्र में पात्र लोगों को मतदाता पंजीकरण के प्रति जागरूक करें और नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने में मदद करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके उन युवाओं को पंजीकरण के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया, जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है।

कूड़ा गाड़ी की मरम्मत से इंटरलॉकिंग तक 3.21 लाख रुपये खर्च करने पर ग्रामीणों ने जताई आपत्ति

सारंगपुर में तीन विकास कार्यों के भुगतान पर सवाल, जांच में मिली क्लीन चिट

आपत्ति

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटेहरी विकासखंड की सारंगपुर ग्राम सभा में तीन विकास कार्यों के भुगतान को लेकर सवाल उठे हैं। कूड़ा गाड़ी की मरम्मत, सड़क पर राबिस डालने और इंटरलॉकिंग के लिए कुल 3.21 लाख रुपये खर्च किए जाने पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई है। शिकायत के बाद विभागीय टीम ने जांच की, जिसमें कार्यों को सही पाया गया।

ग्रामीण केशवराम, रुकुम केश वर्मा, प्रमोद और राम प्रकाश समेत अन्य लोगों ने भुगतान और कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि उन्हें खर्च और भुगतान का पूरा ब्योरा नहीं मिला।



शिकायत पर सहायक विकास अधिकारी (आरडी) अनिल कुमार सिंह, अवर अभियंता लघु सिंचाई रामजीत और अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग अतुल मौर्य ने जांच की। विभागीय जांच में संबंधित कार्यों को सही पाया गया। हालांकि, ग्रामीणों की आपत्तियों के बीच कार्यों की गुणवत्ता, माप पुस्तिका और भुगतान संबंधी अभिलेखों की विस्तृत जांच की मांग उठ रही है। इन अभिलेखों के परीक्षण से भुगतान और मौके पर हुए कार्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सड़क और इंटरलॉकिंग के काम पर भी आपत्ति

पंचायत भवन से छोटू की दुकान तक सड़क पर राबिस और ईंट के टुकड़े डालने के लिए 92 हजार रुपये का भुगतान हुआ। ग्रामीणों का दावा है कि सड़क पर करीब सात से आठ ट्रॉली राबिस डाली गई। ईंट के टुकड़ों के इस्तेमाल की स्थिति स्पष्ट नहीं है। वहीं, होलिका दहन स्थल से हनुमान मंदिर तक इंटरलॉकिंग कार्य पर 1.65 लाख रुपये खर्च किए गए। स्थलीय पड़ताल के दौरान कुछ लोगों ने इंटरलॉकिंग के किनारे बॉर्डर पर पीसीसी कार्य अधूरा होने की बात कही।

ग्रामीणों के अनुसार, ई-रिक्शा यानी कूड़ा गाड़ी की मरम्मत के नाम पर 64 हजार रुपये का भुगतान किया गया। उनका कहना है कि गांव में अब तक आरसी सेंटर या कूड़ा घर नहीं बना है। कूड़ा उठाने का नियमित काम भी शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में मरम्मत पर हुए खर्च को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

2027 की तैयारी में जुटी सपा, त्रिभुवन दत्त बोले शिक्षक एमएलसी चुनाव अहम

योगी सरकार को कानून-व्यवस्था, रोजगार और महिला सुरक्षा पर घेरा

- विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का जताया लक्ष्य
- शिक्षक एमएलसी चुनाव को बताया 'सेमीफाइनल'
- बसपा पर भी लगाए आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी राजनीतिक तैयारी तेज करने के संकेत दिए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और आलापुर विधायक त्रिभुवन दत्त ने प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था, रोजगार, शिक्षा और महिला सुरक्षा के मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि सपा का लक्ष्य 2027 में प्रदेश में सरकार बनाना है। त्रिभुवन दत्त ने कहा कि प्रदेश के युवा, छात्र, बुजुर्ग और महिलाएं अखिलेश यादव से उम्मीद लगाए हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी हैं। उनके मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनाव में रोजगार, शिक्षा और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए फैजाबाद क्षेत्र के प्रभारी त्रिभुवन दत्त ने सपा प्रत्याशियों की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने इस चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले का 'सेमीफाइनल' बताया। कहा कि पार्टी चुनाव को गंभीरता से ले रही है और संगठन स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। त्रिभुवन दत्त ने बहुजन समाज पार्टी पर अपने मिशन से भटकने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध का उल्लेख करते हुए युवाओं की सक्रियता पर भी बात रखी।

कार्यक्रम में राहुल दत्त यशवर्धन, गोविंद गौतम, रहमुल्ला खान, अजय एडवोकेट, आशु सिंह, संजीव यादव, बृजेश यादव, मारकंडे, मुकेश चौधरी और धर्मेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जलालपुर में मुकुट पूजन के साथ रामलीला की तैयारियां तेज

रामलीला मैदान, गल्ला मंडी और धर्मशाला में हुए आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता



जलालपुर (अंबेडकरनगर)। रामलीला आयोजन की परंपरा के तहत रविवार रात जलालपुर के तीन प्रमुख स्थानों पर मुकुट पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। रामलीला मैदान में श्री रामलीला सेवा समिति के अध्यक्ष संजीव मिश्र की अध्यक्षता में पूजन हुआ। इस दौरान जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। गल्ला मंडी और धर्मशाला में भी संबंधित रामलीला समितियों की ओर से मुकुट पूजन किया गया।

रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम के साथ गल्ला मंडी में श्री रामलीला सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रहरि की अध्यक्षता में पूजन संपन्न हुआ। धर्मशाला में श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। तीनों स्थानों पर रामचरितमानस की चौपाइयों और भजनों का पाठ किया गया। पूजन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रमों में संकुल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक मिथिलेश त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री अनुसूचित मोर्चा चंद्रिका प्रसाद, क्षेत्रीय सदस्य राम किशोर राजभर, पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव, वरिष्ठ नेता संजय सिंह, केशव श्रीवास्तव, संरक्षक गुड्डन मिश्र, एसबी सिंह, आरआर शुक्ल, मुन्ना सिंह, नरसिंह यादव, सुशील अग्रवाल और रामचंद्र जायसवाल सहित कई लोग शामिल हुए।

विवाद : फायरिंग की कोशिश और मारपीट की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा

खेत की जुताई रोकने पर भिड़े पक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के केदरूपुर गांव में जमीन की जुताई को लेकर विवाद बढ़ गया। एक महिला ने आठ लोगों पर हथियारों के साथ पहुंचकर जमीन पर कब्जे की कोशिश करने और विरोध पर मारपीट का आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक, एक व्यक्ति ने रिवॉल्वर से फायरिंग करने की कोशिश की। उसके पति ने हाथ पकड़कर रोकने का प्रयास किया तो उनके सिर पर रिवॉल्वर की बट से वार कर दिया गया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महिला ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान उन्हें और उनके पति को धमकी दी गई। इसी बीच एक व्यक्ति ने रिवॉल्वर निकालकर फायरिंग की कोशिश की, लेकिन उनके पति ने उसका हाथ पकड़ लिया। इसके बाद पति के सिर पर रिवॉल्वर की बट से हमला किया गया। महिला के मुताबिक, चोट लगने के बाद उनके पति बेहोश हो गए। वह उन्हें लेकर राजेसुल्तानपुर थाने पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जमीन के स्वामित्व और कब्जे से जुड़े दस्तावेजों के साथ मारपीट व फायरिंग की कोशिश के आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल, घटना के संबंध में महिला की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

2019 में कराया था जमीन का बैनामा

गांव निवासी रोशनी पत्नी प्रदीप मिश्रा के अनुसार, उन्होंने 9 दिसंबर 2019 को गाटा संख्या 432घ में एक बिस्वा आठ धुर जमीन का बैनामा कराया था। उनका दावा है कि जमीन की दाखिल-खारिज हो चुकी है और तब से उनका कब्जा है। आरोप है कि 11 अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे आठ लोग रिवॉल्वर, लाठी-डंडे और चाकू लेकर पहुंचे। वे ट्रैक्टर से जमीन की जुताई करने लगे। विरोध करने पर कहासुनी और मारपीट शुरू हो गई।

36 साल तटरक्षक बल में देश की सेवा गांव लौटे हृदय नारायण का स्वागत

प्रधान सहायक इंजीनियर (रेडियो) पद से हुए सेवानिवृत्त

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। भारतीय तटरक्षक बल में 36 वर्ष तक सेवाएं देने के बाद हृदय नारायण सिंह सेवानिवृत्त होकर अपने गांव भौसिंमपुर लौटे। 12 अक्टूबर को गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान परिवारजन, मित्र और ग्रामीण मौजूद रहे।

गंगा सिंह के पुत्र हृदय नारायण सिंह ने 21 मार्च 1991 को भारतीय तटरक्षक बल में सेवा शुरू की थी। वह प्रधान सहायक इंजीनियर (रेडियो) के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके सेवाकाल के करीब 19 वर्ष समुद्र में और 17 वर्ष विभिन्न बेस पर बीते। कोलकाता में सेवाएं पूरी करने के बाद वह गांव लौटे।

हृदय नारायण सिंह ने अपने सेवाकाल में देश के विभिन्न तटीय और अन्य प्रमुख केंद्रों पर जिम्मेदारी निभाई। इनमें विशाखापत्तनम, चेन्नई, पोर्ट ब्लेयर, मुंबई, कोच्चि, पारादीप, कराईकल, गांधीनगर और कोलकाता प्रमुख हैं। उन्होंने दिल्ली में भी सेवाएं दीं। हृदय नारायण सिंह की प्रारंभिक शिक्षा कहरा सुलेमपुर में हुई। इसके बाद उन्होंने कानपुर में जूनियर हाईस्कूल से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई पूरी की और राजकीय पॉलिटेक्निक, कानपुर से तकनीकी शिक्षा प्राप्त की। तटरक्षक बल में भर्ती होने के बाद उन्होंने चिल्का में बुनियादी प्रशिक्षण, मुंबई में समुद्री प्रशिक्षण और जामनगर में व्यावसायिक प्रशिक्षण लिया। हृदय नारायण सिंह का विवाह 12 जून 1990 को गीता सिंह से हुआ था। उनकी इकलौती बेटी ने एमबीए की पढ़ाई पूरी की है ।

सम्पादकीय

आर्थिकी को नई धार देने की कोशिश



हाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित 57वीं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में जीएसटी को सरल एवं बेहतर बनाने के लिए बड़े बदलाव किए। ये बदलाव करीब एक साल पहले जीएसटी दरों और स्लैब को कम करने के लिए गए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के बाद अब जीएसटी व्यवस्था में सुधार को नई धार देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जीएसटी परिषद के नए फैसले पंजीकरण, टैक्स रिटर्न, रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी), कर प्रवर्तन, निर्यात, विवाद निपटान और विभिन्न प्रदेशों के बीच वस्तुओं की आवाजाही से जुड़े नियमों को सरल और लाभप्रद बनाने से संबंधित हैं। वस्तुतः यह पूरी कवायद, व्यापार सुगमता (ईज आफ डूइंग बिजनेस) और कर अनुपालन के सरलीकरण पर केंद्रित हैं।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने कर अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्तियों को समाप्त करने और अभियोजन की सीमा को बढ़ाए जाने की ऐतिहासिक सिफारिश की है। इससे 'कर आतंक' का डर खत्म होगा और ईमानदारी से व्यापार करने वालों का भरोसा बढ़ेगा। परिषद ने आइटीसी और रिफंड की प्रक्रियाओं को बेहद तेज और पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है। इससे व्यवसायों के पास नकदी का प्रवाह बढ़ेगा, जिससे वे नया निवेश कर सकेंगे। कुल कर देनदारी 10,000 रुपये से कम होने पर जीएसटी के तहत कारण बताओ नोटिस नहीं दिए जाने, सामान्य जुर्माने की सीमा घटाए जाने और भारतीय कंपनियों के विदेशी कारोबार को कुछ शर्तों के साथ निर्यात माने जाने संबंधी सिफारिशों से उद्योग-कारोबार के विकास का नया दौर शुरू होगा।

खासतौर से छोटे और असंगठित विक्रेताओं को ई-कामर्स प्लेटफार्म के वेयरहाउस का उपयोग कर व्यापार करने की अनुमति मिलने से डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार इन बदलावों से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी, अनुपालन लागत में कमी आएगी और करदाताओं को आटोमेटेड रिफंड की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से अगले साल एक अप्रैल से लागू होने वाले इन नए जीएसटी सुधारों से जहां जीएसटी संबंधी मुश्किलों का सामना कर रहे एमएसएमई, स्टार्टअप्स और छोटे व्यापारियों को बड़ा लाभ होगा, वहीं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, महंगाई और कमजोर मानसून जैसी चुनौतियों का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार पकड़ने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने सितंबर 2026 की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, वैश्विक वित्तीय अस्थिरता, अमेरिकी व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, महंगाई और देश में कमजोर मानसून से निर्मित परिस्थितियां इस समय देश की आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने में बड़ी चुनौती बन गई हैं। हालांकि आरबीआइ द्वारा प्रकाशित बुलेटिन 'स्टेट आफ द इकोनमी' के अनुसार इन सबके बावजूद मजबूत घरेलू बुनियाद के दम पर देश की अर्थव्यवस्था दमदार बनी हुई है। इस परिदृश्य के कारण भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकती है, जबकि पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन देखने को मिला है। हाल में प्रकाशित विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की विकास दर के पूर्व निर्धारित अनुमान 6.6 प्रतिशत को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान में बढ़ोतरी का मुख्य आधार मजबूत घरेलू मांग, निजी खपत में लगातार सुधार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सरकारी एवं निजी निवेश में आई तेजी है। इसी कारण क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीएए 3' पर बनाए रखा है और देश के आर्थिक आउटलुक को 'स्थिर' रखा है। दुनिया की प्रसिद्ध जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर) ने भारत की सावरेन रेटिंग को भी बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया है। यह भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, ठोस निजी खपत, निरंतर सार्वजनिक निवेश और सुदृढ़ होती वित्तीय व्यवस्था के कारण संभव हुआ है। यद्यपि विकास की गति सकारात्मक है, लेकिन भविष्य की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। भारत को वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का रणनीतिपूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ना होगा। निःसंदेह देश की आर्थिक रफ्तार बनाए रखने और जीएसटी व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाने के लिए कई और बातों पर ध्यान देना जरूरी है। जैसे कि जीएसटी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार नियंत्रित करना होगा।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो



> 66
> अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है।



लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया। आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है। हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए।

– ललित गर्ग

पूरे मोहल्ले की...

मोहन मंगलम

समस्या-वेदना-संवेदनशीलता सरोकार-सरकार



इन शब्दों के माध्यम से आपके सामने शब्दकोश को रखने का मेरा कोई इरादा नहीं है। हाँ, ये खास शब्द अपने आप में बहुत कुछ निहितार्थ समेटे हुए हैं। समस्या चाहे शारीरिक हो, मानसिक हो, सामाजिक हो या फिर और किसी तरह की ही, उससे वेदना होती है, कष्ट होता है। मगर जब कोई संवेदनशीलता के साथ हमारी समस्या को सुनकर उसके समाधान के लिए सार्थक प्रयास करता है तो मन को बड़ा सुकून मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार के स्तर पर सामाजिक सरोकार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक तय प्रणाली होती है। हालांकि नागरिकों को किस हद तक और कितनी जल्दी उनकी समस्याओं का समाधान मिल पाता है, यह इस तथ्य पर निर्भर करता है कि उस प्रणाली में तैनात अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन में किस तरह रुचि लेते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए राजस्थान संपर्क नाम से पोर्टल की व्यवस्था की है। इसके अनुसार टोल फ्री नंबर 181 पर कॉल करने पर समस्या सुनने के साथ ही उसे दर्ज भी किया जाता है और समस्या के शीघ्रातिशीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया जाता है। जयपुर के जिस मोहल्ले में मैं रहता हूं, उसके बसने के करीब 30 साल बाद वहां सीवरेज लाइन डालने का मुहूर्त बना और ऐन बरसात के मौसम में काम शुरू कर दिया गया। पूरे मोहल्ले की सड़कें खोद डाली गईं जिससे दुपहिया-चौपहिया वाहनों की कौन कहे, लोगों का पैदल चलना भी दुश्वार हो गया। हालांकि इतनी समस्याओं के बावजूद लोग सीवरेज की समस्या का स्थायी समाधान होने की आस में तात्कालिक परेशानियों को खुशी-खुशी झेल रहे थे। मोहल्ले की एक अपेक्षाकृत अधिक व्यस्त सड़क जो आसपास की दर्जनों कॉलोनियों तक पहुंचने का जरिया है, उसके कुछ हिस्से में बरसात के मौसम में काफी कीचड़ होने की वजह से लोगों को हो रही परेशानी के मद्देजनर मैंने गत जुलाई के पहले सप्ताह में 181 पर फोन करके इस सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों तथा अन्य लोगों को होने वाली समस्या का तात्कालिक समाधान किये जाने के लिए गुहार लगाई। शिकायत करने के करीब दो सप्ताह बाद मेरे पास फोन आया कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है जबकि धरातल पर स्थिति जस की तस थी। संबंधित कर्मचारी के पूछने पर मैं अपनी असंतुष्टि जताता तो वह पूरी समस्या नए सिरे से दर्ज करता और शीघ्र समाधान किए जाने हेतु तसल्ली देता। उसके 10-12 दिन बाद पुनः मेरे पास फोन आता कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है। मैं पुनः अपनी असंतुष्टि जता देता और एक बार फिर मुझसे पूछकर मेरी शिकायत दर्ज की जाती और 10-12 दिन बाद फिर मेरे पास फोन आता कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है। काफी दिनों तक यह औपचारिकता निभाई जाती रही। समय बीतता गया। बारिश का दौर धीरे-धीरे थमने लगा और सीवर का काम करने वाली एजेंसी ने रूटीन वर्क के तहत सड़क पर ग्रेवल डालने का काम शुरू कर दिया और अब मोहल्ले की अधिकांश सड़कों का डामरीकरण भी कर दिया गया है। मोहल्ले के बाकी बचे स्थानों पर भी काम चल रहा है जिसके शीघ्र ही पूर्ण हो जाने की संभावना है। इस बीच पिछले करीब दस दिन से राजस्थान संपर्क से मेरे पास फोन आने का सिलसिला एक बार फिर शुरू हो गया है। हर तीसरे दिन फोन करके मुझे बताया जाता है कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है। अब मैं उन्हें क्या बताऊं कि बारिश के दिनों में होने वाली परेशानी का समाधान यदि मानसून की विदाई के बाद कर भी दिया जाए तो उससे पीड़ितों का क्या भला होगा? यदि समस्या की प्रकृति को तरजीह देते हुए तात्कालिक रूप से उसका समाधान किया जा सके तभी पीड़ितों को लाभ मिल सकेगा तथा इस सेवा की सार्थकता सिद्ध हो सकेगी। जन सरोकारों से जुड़ी राजस्थान संपर्क को मुख्यमंत्री काफी गंभीरता से लेते हैं। तभी तो इस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों तथा उनके निस्तारण की प्रक्रिया की मॉनिटरिंग के लिए अनेक उच्च अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। यही नहीं, कई बार तो मुख्यमंत्री स्वयं ही टोल फ्री नंबर 181 पर आने वाली समस्याओं को सुनते हैं।

ब्रह्मोस इंटीग्रेशन...

सरिता वर्मा

उत्तर प्रदेश में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को मिल रहा है नया विस्तार

देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से एक महत्वपूर्ण विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। केंद्र सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के अनुरूप राज्य में रक्षा उपकरणों और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां रक्षा उत्पादन से जुड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक औद्योगिक आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लिए प्रस्तावित करीब 5,000 हेक्टेयर भूमि में से लगभग 2,000 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। भूमि की उपलब्धता के साथ विभिन्न रक्षा एवं एयरोस्पेस कंपनियों को निवेश के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्रदेश में केवल बड़ी विनिर्माण इकाइयों की स्थापना ही नहीं हो रही, बल्कि उनके आसपास सहायक उद्योगों, आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी सेवाओं से जुड़े नए अवसर भी विकसित होने की संभावना बढ़ी है। डिफेंस कॉरिडोर में देश की प्रमुख रक्षा कंपनियों और संस्थानों की भागीदारी प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। प्रमुख आवंटनों में डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत डायनेमिक्स, अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एंकोर रिसर्च लैब्स, एयरोल टेक्नोलॉजीज, डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स और एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी संस्थाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से रक्षा उपकरणों के निर्माण, अनुसंधान, परीक्षण और तकनीकी क्षमताओं के विकास को गति मिल रही है।

कानपुर में स्थापित अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की करीब 500 एकड़ में विस्तारित इकाई इस विकास की प्रमुख कड़ियों में शामिल है। दक्षिण एशिया की बड़ी रक्षा विनिर्माण इकाइयों में शामिल इस मेगा यूनिट के माध्यम से प्रदेश में आधुनिक रक्षा उपकरणों के उत्पादन की क्षमता को मजबूती मिली है। इतनी बड़ी औद्योगिक इकाई की स्थापना का प्रभाव केवल प्रत्यक्ष उत्पादन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसके साथ छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए भी नए अवसर पैदा होते हैं। स्थानीय स्तर पर तकनीकी सेवाओं, कल-पुर्जों, लॉजिस्टिक्स और अन्य सहायक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं इससे जुड़ती हैं।

लखनऊ में ब्रह्मोस इंटीग्रेशन एवं परीक्षण सुविधा केंद्र की स्थापना भी प्रदेश के रक्षा क्षेत्र में बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है। मई 2025 में उद्घाटित इस सुविधा केंद्र में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से रक्षा उत्पादन तथा परीक्षण से जुड़ी क्षमताओं को आगे बढ़ाने का अवसर तैयार हुआ है। इससे उत्तर प्रदेश में उच्च तकनीक वाले रक्षा उत्पादों के निर्माण के साथ उनके एकीकरण और परीक्षण की सुविधाओं का विकास भी संभव हो रहा है। रक्षा क्षेत्र के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में औद्योगिक नीतियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस एवं रक्षा इकाई तथा रोजगार प्रोत्साहन नीति-2024 लागू की है। इसका उद्देश्य प्रदेश को एक प्रमुख एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करना, निवेश को आकर्षित करना और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

जरा हटके

इस सूक्ष्म उद्यम ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से सशक्त हो रही ग्रामीण नारी शक्ति

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती और आकांक्षी जनपद बलरामपुर में ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक युगांतकारी परिवर्तन आकार ले रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन' (यूपीएसआरएलएम) के माध्यम से संगठित स्वयं सहायता समूहों ने तराई अंचल की ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक नेतृत्व की मुख्यधारा से जोड़ा है। कभी सीमित दायरे में रहने वाली ग्रामीण महिलाएं आज सूक्ष्म उद्यमों की सफल संचालक बनकर पूरे जनपद के लिए स्वावलंबन का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।जनपद के विकासखंड तुलसीपुर अंतर्गत ग्राम जुवारा और इटवा में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा की गई अभिनव पहल इस जमीनी बदलाव का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जुवारा की लीला देवी (शिवा स्वयं सहायता समूह) तथा इटवा की गायत्री देवी (महक स्वयं सहायता समूह) ने आपसी समन्वय और सहयोग से 'ऑन व्हील फास्ट फूड कैंटीन' की शुरुआत कर ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता का एक अनूठा मॉडल विकसित किया है। मिशन प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई महज 20 हजार की प्राथमिक वित्तीय सहायता से महिलाओं ने इस गतिशील कैंटीन का ढांचा तैयार किया। सीमित संसाधनों में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ठेले पर गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक एवं स्वच्छ अल्पाहार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाई गई। इस उद्यम के सुचारु संचालन के लिए समूह के भीतर कार्य और दायित्वों का अत्यंत पारदर्शी और व्यवस्थित विभाजन किया गया है। समूह की सदस्य रीता ने कैंटीन के प्रत्यक्ष विपणन और संचालन की जिम्मेदारी संभाली, जबकि अन्य सदस्य कच्चे माल की व्यवस्था करने, खाद्य पदार्थों की स्वच्छता सुनिश्चित करने और वित्तीय समन्वय में सक्रिय सहयोग कर रही हैं। श्रम और कौशल के इस सामूहिक उपयोग ने उद्यम की उत्पादकता और निरंतरता को मजबूत आधार दिया है।

खाद्य सामग्री की शुद्धता, प्रामाणिक स्वाद और उचित मूल्य के चलते इस ऑन-व्हील कैंटीन को ग्रामीण उपभोक्ताओं का व्यापक रुझान और समर्थन मिल रहा है। वर्तमान में इस कैंटीन से प्रतिदिन 1500 से अधिक की सकल बिक्री दर्ज की जा रही है। समस्त दैनिक परिचालन व्यय निकालने के उपरांत समूह को प्रतिदिन लगभग 700 से 800 की शुद्ध बचत प्राप्त हो रही है। इस नियमित आय ने महिलाओं को घरेलू खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने की विवशता से पूरी तरह मुक्त कर दिया है।बाजार की मांग को समझते हुए समूह की महिलाओं ने अपने व्यवसाय को एक गांव अथवा नियत स्थल तक सीमित नहीं रखा है। गतिशील ठेले की सुविधा का लाभ उठाते हुए महिलाएं इटवा और जुवारा के साथ-साथ रेहरा बाजार, नयानगर तथा आसपास के साप्ताहिक ग्रामीण हाटों तक पहुंचकर सेवाएं दे रही हैं। व्यापार के इस सक्रिय तौर से उनके व्यवसाय में निरंतर वृद्धि हो रही है और कार्यशील पूंजी का चक्र निरंतर मजबूत बना हुआ है।

इस सूक्ष्म उद्यम का सबसे उल्लेखनीय पहलू इसका सहयोगात्मक प्रभाव है। इस कैंटीन का लाभ केवल इसका प्रत्यक्ष संचालन करने वाली महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे दोनों स्वयं सहायता समूहों की अन्य सदस्यों को भी विभिन्न स्तरों पर आय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। स्थानीय उत्पादों की खपत और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़कर कई अन्य परिवारों को भी अप्रत्यक्ष आजीविका का संबल मिला है।

आकांक्षी जनपद बलरामपुर की भौगोलिक और सामाजिक पृष्ठभूमि में यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कृषि पर अत्यधिक मौसमी निर्भरता और गैर-कृषि आजीविका के सीमित अवसरों वाले इस क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित यह सफल व्यवसाय अन्य वंचित परिवारों में भी नई आशा का संचार कर रहा है। महिलाएं अब अपनी इस आय का उपयोग बच्चों की उच्च शिक्षा, बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर कर रही हैं, जिससे जीवन स्तर में स्पष्ट सुधार दर्ज हो रहा है। जिला प्रशासन और मिशन प्रबंधन द्वारा जनपद में स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ करने के लिए बहुस्तरीय वित्तीय सहायता तंत्र लागू किया गया है। प्रारंभिक स्तर पर रिवॉल्विंग फंड (आरएफ) के माध्यम से समूहों की आंतरिक बचत और लेन-देन की क्षमता को पुष्ट किया जाता है। इसके पश्चात उद्यम विस्तार के लिए सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) और बैंकों के साथ रियायती ब्याज दर पर संस्थागत क्रेडिट लिंकेज सुनिश्चित कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं बिचौलियों और पारंपरिक साहूकारों के शोषण से पूरी तरह सुरक्षित हुई हैं।केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'लखपति दीदी' महाअभियान के अंतर्गत बलरामपुर जनपद में विशेष रणनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। इसका मुख्य ध्येय स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी प्रत्येक महिला सदस्य की वार्षिक पारिवारिक आय को 1 लाख से अधिक के स्थायी स्तर तक पहुंचाना है। तुलसीपुर विकासखंड में संचालित यह ऑन-व्हील कैंटीन इसी महत्वाकांक्षी नीतिगत संकल्प को धरातल पर क्रियान्वित करने का व्यावहारिक उदाहरण है। बलरामपुर में आजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं की आय के स्रोतों का योजनाबद्ध विविधीकरण किया जा रहा है। अंतर-विभागीय अभिसरण (कन्वर्जेंस) के माध्यम से महिला समूहों को केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित न रखकर बहुआयामी उद्यमों से जोड़ा गया है। जनपद में आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए टेक-होम राशन (टीएचआर) निर्माण इकाइयों के संचालन, प्रेरणा कैंटीनों के प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन तथा उन्नत कृषि एवं जैविक उत्पाद निर्माण में महिला समूहों को प्राथमिकता दी जा रही है। जनपद के सुदूरवर्ती एवं नदी तटीय ग्रामों तक वित्तीय समावेशन का विस्तार करने के उद्देश्य से संचालित 'वन ग्राम पंचायत, वन बीसी सखी' मॉडल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति दी है। बलरामपुर में प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा महिला उद्यमियों को बाजार की प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाने हेतु निरंतर तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय साक्षरता प्रदान की जा रही है। खाद्य सुरक्षा मानकों, डिजिटल भुगतान प्रणाली (यूपीआई/क्यूआर कोड) के उपयोग तथा समूह के बही-खातों के पारदर्शी रख-रखाव के लिए नियमित कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

पुण्यतिथि पर सपा प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि, बोले- महंगाई रोकने के लिए समाजवादी सरकार में लागू करेंगे दाम बांधो नीति

लोहिया के विचारों से ही आएगी समानता और खुशहाली

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय समेत प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम गोमतीनगर स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया पार्क में हुआ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डॉ. लोहिया की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।



इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया ने जीवनभर भेदभाव और अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। वह ऊंच-नीच की भावना के विरोधी थे और समाज में समानता तथा खुशहाली चाहते थे। उन्होंने समाजवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और सप्तक्रांति का नारा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान, डॉ. लोहिया के समाजवादी विचारों और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्षों को साथ लेकर समतामूलक समाज बनाने के लिए काम कर रही है। पार्टी इन महापुरुषों के सपनों को पूरा करने और समाज में समृद्धि तथा समानता लाने के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद आरके चौधरी, विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व एमएलसी डॉ. मधु गुप्ता और समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. बी. पांडेय समेत कई नेताओं ने डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। अखिलेश यादव ने लोहिया पार्क के निर्माण और हरियाली का उल्लेख करते हुए कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने डॉ. लोहिया के नाम पर शानदार पार्क बनवाया था। इसमें पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया गया और पेड़ों को काटे बिना नए पौधे लगाए गए।

> वहीं, लखनऊ मध्य क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा ने गोमतीनगर स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भी डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान संस्थान के डॉक्टरों और सपा कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।



महंगाई रोकने के लिए लागू करेंगे दाम बांधो नीति

सपा प्रमुख ने कहा कि आज देश में आर्थिक असमानता चरम पर है। कुछ लोग अत्यधिक अमीर हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अपनी जरूरतों का सामान तक नहीं जुटा पा रहे हैं। रोजगार के अवसरों की कमी और लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में देश को समाजवादी समाज और समाजवादी सरकार की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए दाम बांधो नीति की मांग की थी। समाजवादी सरकार बनने पर जरूरत की वस्तुओं को इस नीति के दायरे में लाकर महंगाई पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि कोई भी मनमाना मुनाफा न कमा सके।

एएनएम कर्मियों ने घेरा डिप्टी सीएम का आवास

बोलीं- 6 दिन से प्रदर्शन कर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को संविदा और आउटसोर्सिंग पर कार्यरत महिला एएनएम कर्मियों ने डिप्टी सीएम के आवास का घेराव किया। महिलाएं आवास के बाहर सड़क पर बैठकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने लगीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारी महिलाओं को वहां से हटाकर इको गार्डन भेज दिया। महिला एएनएम कर्मी पिछले छह दिनों से लखनऊ में लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। उनका आरोप है कि कई दिनों से आंदोलन करने और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को कई बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद उनकी समस्याओं पर सुनवाई नहीं हो रही है। इसी के विरोध में वे सोमवार को उनके आवास का घेराव करने पहुंचीं। प्रदर्शनकारी महिला एएनएम कर्मियों



की प्रमुख मांग सभी संविदा एएनएम कर्मचारियों को स्थायी करने की है। इसके साथ ही वे समान काम के लिए समान वेतन और गृह जनपद में तैनाती की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। महिला कर्मियों ने स्वास्थ्य बीमा और नियमित ईपीएफ (EPF) अंशदान की भी मांग उठाई। इसके अलावा कार्यस्थल पर शिकायतों के निस्तारण के लिए विशाखा कमेटी गठित करने की मांग की है।

फास्ट न्यूज

आईटीआई संस्थानों में पांचवें राउंड का एडमिशन शुरू

लखनऊ। यूपी के सरकारी ITI संस्थानों में सत्र 2026-27 की खाली सीटों पर एडमिशन के लिए पांचवें चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थियों को 13 से 15 अक्टूबर तक अपना रैंक कार्ड संबंधित जनपद के राजकीय ITI में जमा करना होगा। चयन प्रक्रिया 16 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। विशेष सचिव और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जेसीबी की टक्कर से जीजा-साली की मौत

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार शाम स्कूटी सवार जीजा-साली को जेसीबी ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई। टक्कर के बाद पुलिस ने दोनों को गंभीर हालत मे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद जेसीबी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से तलाश कर रही है। घटना आलमबाग के मवैया तिराहे की है। मृतकों की पहचान पुराना सरदारी खेड़ा निवासी शफीकुल हसन (62) और उनकी साली वसीम जहां उर्फ रानी (52) के रूप में हुई है। शाफिकुल हसन की घर से थोड़ी दूर पर पुरानी मस्जिद के पास मीट की दुकान है।

छात्र को 9 घंटे हॉस्टल में बंधक बनाकर पीटा

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र में एक छात्र ने युवती और उसके पांच साथियों पर मारपीट कर बंधक बनाने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक, उसे हॉस्टल में बुलाकर चोरी का झूठा आरोप लगाया गया। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज की और कांच की बोतल, चाकू, कैंची, लोहे की रॉड और हाथ में पहने जाने वाले कड़े से हमला कर दिया।

जियो-बीपी ने पेट्रोल पांच और डीजल तीन रुपये प्रति लीटर महंगा किया

- जियो-बीपी के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े, पेट्रोल पांच और डीजल तीन रुपये महंगा

तमसा संकेत, संवाददाता



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की ईंधन कंपनी जियो-बीपी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। नई दरें 11 अक्टूबर की सुबह छह बजे से लागू हो गई हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद हरियाणा में जियो-बीपी के आउटलेट पर पेट्रोल की कीमत करीब 109.80 रुपये और डीजल की कीमत 97.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और ब्रिटेन की ऊर्जा कंपनी बीपी के संयुक्त उद्यम जियो-बीपी के इस फैसले से वाहन चालकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। पेट्रोल की कीमत में पांच रुपये और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से निजी वाहन चालकों के साथ ही माल ढुलाई और परिवहन क्षेत्र की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि, यह बढ़ोतरी जियो-बीपी के आउटलेट पर लागू दरों से संबंधित है। इसे देशभर में सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं माना जाना चाहिए। अन्य तेल विपणन कंपनियों के पंपों पर कीमतें अलग हो सकती हैं। वाराणसी और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में जियो-बीपी के पेट्रोल पंपों पर नई दरें क्या हैं, इसकी अलग से पुष्टि आवश्यक है।

लखनऊ में यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर का विरोध

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर में हाइडिल से स्कूटर इंडिया तक मार्केट में सोमवार को समाजवादी व्यापार सभा के जिला संगठन ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.04 प्रतिशत एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) शुल्क के विरोध में पैदल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने हाथों में बैनर व विरोध संबंधी तख्तियां लेकर थाली-चम्मच बजाए। केंद्र सरकार से प्रस्तावित शुल्क पर पुनर्विचार करने की मांग की। जिलाध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में व्यापारियों और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मंशा और समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के निर्देश पर यह प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2026 से यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क लागू किए जाने के विरोध में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

सीएम योगी के विजन के अनुरूप गो आधारित उत्पादों को बाजार से जोड़ने की तैयारी

प्रदेश के सभी 75 जिलों में खुलेंगे पंचगव्य के आउटलेट

- गोपालकों और किसानों के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर
- दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से तैयार होंगे उत्पाद
- पूजा सामग्री से जैविक खाद और पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं तक गो आधारित उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गो आधारित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और इनसे जुड़े रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में प्रदेश के सभी 75 जिलों में आउटलेट खोलने की योजना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से गोपालकों, किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए नया माध्यम मिलेगा। इससे पशुपालन को केवल दूध उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय गोवंश से प्राप्त अन्य उपयोगी उत्पादों के व्यावसायिक इस्तेमाल की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से अलग-अलग श्रेणियों के उत्पाद तैयार कर उसे आउटलेट के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। डेयरी उत्पादों के अलावा गोबर से जैविक खाद, हवन सामग्री, धूपबत्ती, अगरबत्ती, दीये, गोबर से गमले और सजावटी वस्तुएं भी तैयार की जाएंगी। सीएम योगी के विजन के अनुरूप गो आधारित पर्यावरण-अनुकूल वस्तुओं के निर्माण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे उत्पादों के लिए व्यवस्थित बाजार विकसित होने पर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि गो आधारित उत्पादों को व्यापक श्रेणियों में आउटलेट पर रखा जाएगा।

गोपालकों से ग्रामीण उद्यमियों तक खुलेंगे अवसरों के द्वार

गो आधारित उत्पादों के कारोबार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें अलग-अलग स्तर पर लोगों की भागीदारी होगी। गोपालक और किसान दूध, गोबर तथा अन्य उपलब्ध संसाधनों की आपूर्ति करेंगे, जबकि स्थानीय उद्यमी इनसे उपयोगी उत्पाद तैयार करने, उनकी पैकेजिंग और विपणन का काम संभाल सकते हैं। स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उत्पाद निर्माताओं के लिए भी इस क्षेत्र में अवसर विकसित किए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर तैयार वस्तुओं को व्यापक बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों के विकास की संभावनाएं बनेंगी।

इनका राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए उल्टे बयान दे रहे

राजभर को लड़ने की जमीन नहीं मिल रही : सपा प्रदेश अध्यक्ष

श्रद्धांजलि

- सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा- राजभर का राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी



कानपुर । कानपुर में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ओम प्रकाश राजभर के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने अखिलेश यादव को अपनी विधानसभा सीट जहूराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। पाल ने कहा कि राजभर का राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर सरकार सत्ता में आई थी, उन पर वह विफल रही है। ऐसे नेताओं को चुनाव लड़ने के लिए जमीन नहीं मिल पा रही है, इसलिए वे इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। श्याम लाल पाल रविवार रात

'संविधान में आरक्षण की व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू नहीं'

श्याम लाल पाल ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। संविधान में लोगों को आगे बढ़ने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है, लेकिन सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करने में असफल रही है। दिल्ली में CJP और विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा।

> पाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब आम जनता भाजपा के खिलाफ आ चुकी है और उसे बख्शेगी नहीं। पाल ने कहा- इन्होंने जब भगवान राम को नहीं बख्शा, तो वे देश को क्या बख्शेंगे।



रविवार रात पूर्व मुख्यमंत्री के पुण्यतिथि काव्यांजलि कार्यक्रम में पहुंचे थे, सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित कवि सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी रचनाओं और काव्य पंक्तियों के माध्यम से मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी।

एलडीए के प्लॉट-फ्लैट के लिए 3 बैंकों से मिलेगा लोन

रजिस्ट्रेशन वाला पैसा भी बैंक कर्ज में देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की संपत्तियों (प्लॉट-फ्लैट) के लिए 3 बैंकों से लोन मिल सकेगा। LDA ने नए बैंक BOI से भी करार कर लिया है। अब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के अलावा बैंक ऑफ इंडिया से भी सुविधा मिल सकेगी। ग्राहकों को इन बैंकों से प्लॉट-फ्लैट का लोन कराने से पहले लगने वाली रजिस्ट्रेशन फीस का पैसा भी मिल जाएगा। स सुविधा से उन लोगों को राहत मिलेगी, जिनके पास एक साथ पूरी रकम जमा करने के लिए पैसे नहीं होते हैं।

LDA के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू होने के बाद आवेदकों को लोन लेने के लिए एक और विकल्प मिल गया है। वरुण विहार योजना में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा भी संचालित हो रही है।

अब तक बैंक संपत्ति आवंटित होने के बाद आवंटन पत्र के आधार पर बाकी रकम जमा करने के लिए लोन देते थे। लेकिन रजिस्ट्रेशन के समय जमा की जाने वाली रकम के लिए यह सुविधा नहीं थी। ऐसे में जिन लोगों के पास रजिस्ट्रेशन की पूरी रकम नहीं होती थी, उनके लिए LDA की योजनाओं में आवेदन करना मुश्किल हो जाता था। नई व्यवस्था के तहत अब आवेदक रजिस्ट्रेशन की रकम जमा करने के लिए भी बैंक से लोन ले सकेंगे। इससे उन्हें एक साथ पूरी रकम का इंतजाम नहीं करना पड़ेगा।

योजना : 2030 तक 5-6 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य

योगी सरकार की औद्योगिक नीति को मिली नई ताकत

तमसा संकेत, संवाददाता



नोएडा/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश-दुनिया के प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में नोएडा औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों, बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत कनेक्टिविटी और विश्वस्तरीय औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर का असर अब नोएडा के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के रूप में दिखाई दे रहा है। औद्योगिक मांग में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए प्राधिकरण लगभग 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में 'न्यू नोएडा' विकसित करने की तैयारी कर रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश के अनुसार, इस विस्तार से औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ वर्ष 2030 तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 5 से 6 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। वहीं, आगामी पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में नोएडा अथॉरिटी के करीब 35 हजार करोड़ के 120 प्रोजेक्ट शामिल होंगे। इसमें डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। न्यू नोएडा के विकास से औद्योगिक गतिविधियों के लिए अतिरिक्त भूमि उपलब्ध होगी और नए निवेशकों को आधुनिक औद्योगिक आधारभूत सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे विनिर्माण, तकनीक, लॉजिस्टिक्स और अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश को और गति मिलने की उम्मीद है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार, आगामी पांचवें ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में नोएडा से जुड़े करीब 35 हजार करोड़ के 120 प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतरेंगे। इनमें डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

औद्योगिक विस्तार को मिलेगी नई दिशा

प्राधिकरण के सीईओ करुणेश ने बताया कि वर्ष 1976 में दिल्ली के निकट औद्योगिक नगरी के रूप में स्थापित नोएडा आज उत्तर भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में शामिल है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से निकटता, बेहतर बुनियादी ढांचे और मजबूत कनेक्टिविटी के कारण यहां विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक गतिविधियों में लगातार निवेश बढ़ा है। मौजूदा शहरी क्षेत्र में भूमि की उपलब्धता सीमित होने के कारण अब 'न्यू नोएडा' के विकास की तैयारी की जा रही है। इसके लिए जल्द ही चरणबद्ध तरीके से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही राज्य सरकार मौजूदा नोएडा क्षेत्र में अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत विकल्पों पर भी काम कर रही है।

- आगामी जीबीसी में शामिल होंगे नोएडा अथॉरिटी के 35 हजार करोड़ के 120 प्रोजेक्ट
- निवेश और रोजगार के नए केंद्र के रूप में विकसित होगा न्यू नोएडा, औद्योगिक विस्तार को मिलेगी नई रफ्तार
- योगी सरकार के निवेश-अनुकूल माहौल का असर, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में बढ़ेगी गतिविधियां

योगी सरकार की शादी अनुदान योजना से ओबीसी परिवारों को राहत

वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता के लिए संचालित शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक एक लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 53 हजार से अधिक पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। योगी सरकार की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को बेटी के विवाह के दौरान होने वाले खर्च में राहत मिल रही है। सरकार का उद्देश्य पात्र परिवारों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराकर बेटियों के सम्मानजनक विवाह में सहयोग देना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 1 लाख 5 हजार पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 210 करोड़ रुपये का वार्षिक लक्ष्य रखा गया है। अब तक योजना के अंतर्गत 1,09,697 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 53,546 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। इन लाभार्थियों को कुल 107.092 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया है। शादी अनुदान योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी के विवाह के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। योजना का लाभ उन परिवारों को मिलता है, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रूपये तक है। विवाह के समय लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है। योजना की आवेदन प्रक्रिया में दिव्यांग, विधवा, दैवीय आपदा से प्रभावित और भूमिहीन परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है। इससे योजना का लाभ उन परिवारों तक पहुंचाने पर विशेष जोर है, जिन्हें विवाह के खर्च को पूरा करने में अधिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

- 210 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 107.092 करोड़ रुपये की सहायता वितरित
- पात्र परिवारों को बेटी के विवाह के लिए सीधे बैंक खाते में मिल रहे 20 हजार रुपये
- एक लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों को योजना का लाभ, विशेष वर्गों को प्राथमिकता

झांसी में दिव्य दरबार लगाता, बीमारियां ठीक करने का दावा करता, एक शिकायत से खुली पोल

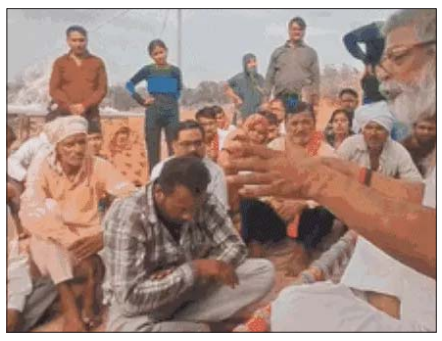
‘काली सरकार 22 साल से बाबा बनकर छिपा था’

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में ‘काली सरकार बाबा’ के नाम से फेमस प्रदीप शुक्ला उर्फ नटरोज 22 साल से छिपकर रह रहा था। एक छोटी सी शिकायत से उसके हिस्ट्रीशीटर होने की पोल खुल गई। उसके खिलाफ कुछ स्थानीय लोगों ने गाली-गलौज कर धमकाने की शिकायत की थी, जो एसएसपी तक पहुंच गई। तब मामले की जांच हुई। करीब 4 दिन पहले उसे मऊरानीपुर थाने बुलाया गया। उससे पूछताछ की गई।

उसे लोग सत्यानंद शुक्ला उर्फ काली सरकार के नाम से जानते थे। मगर पुलिस को उसका असली नाम और एड्रेस मिल गया। नाम बदलकर



रहने की वजह से पुलिस को शक हो गया। तब हरदोई पुलिस से संपर्क साधा गया।

हरदोई पुलिस के रिकॉर्ड में प्रदीप शुक्ला हिस्ट्रीशीटर निकला। ये भी पता चला कि वो 33 साल पुराने लूट के एक मामले में आरोपी है। तब SSP विकास कुमार ने हरदोई के पुलिस अफसरों से बात की। हरदोई पुलिस आरोपी के खिलाफ जारी हुए वारंट लेकर झांसी पहुंची। इसके बाद रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी पहले सिर्फ शुक्रवार को दिव्य दरबार लगाता था। भीड़ बढ़ने पर शनिवार और रविवार को भी दरबार लगाने लगा। स्थानीय लोगों के लिए बुधवार को दरबार लगाता था। दो साल के अंदर उसने झांसी ही नहीं, देश के

बाबा ने करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम पर ‘काली सरकार’ के नाम से पेज बनाया था। इस पर उसके एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। नवरात्र की वजह से काली सरकार ने सोशल मीडिया पर सूचना जारी कर 9 दिन तक दरबार बंद रखने के बारे लोगों को बताया था। हालांकि, नवरात्र के पहले दिन ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

दो साल से दिव्य दरबार लगा रहा था

आरोपी प्रदीप शुक्ला उर्फ नटरोज हरदोई जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र के चौहान थोक का रहने वाला है। कई मामले दर्ज होने की वजह से वह पुलिस रिकॉर्ड में हिस्ट्रीशीटर है। 22 साल पहले वह भागकर झांसी आ गया। पहले वह लहचूरा गांव और फिर मऊरानीपुर में किराए से रहा।

लगभग दो साल से मऊरानीपुर के कुरैंचा गांव रह रहा था। यहां उसने काली माता का मंदिर और आश्रम भी बना लिया था। उसने अपना नाम बदलकर सत्यानंद शुक्ला उर्फ काली सरकार रख लिया था। साथ ही, बाबा बनकर दिव्य दरबार लगाने लगा था। वह लोगों की बीमारियां ठीक करने और दूसरी समस्याओं का समाधान करने का दावा करता था। जिस जगह मंदिर बनाया, वहां पहले एक चबूतरा हुआ करता था। पहले वह एक कमरे में मूर्ति रखकर दिव्य दरबार लगाता था। इसके बाद उसने मंदिर बनवाया। यहां रोजाना ढाई से तीन हजार लोग आते थे।

अलग-अलग हिस्सों में भक्त बना लिए थे। विदेश से भी लोग यहां पहुंचने लगे थे। इन दरबार में वह हर बीमारी ठीक करने और दूसरी समस्याओं का समाधान करने का दावा करता था। यहीं नहीं, मध्य प्रदेश के कुछ मंत्री तक उसके शिष्य बन चुके थे। सूत्रों के मुताबिक, उसकी गिरफ्तारी की सूचना पर मध्य प्रदेश के कुछ मंत्री भी उसे छोड़ने के लिए पैरवी करने में जुटे रहे। मऊरानीपुर सीओ रत्नेश्वर सिंह ने बताया- प्रदीप शुक्ला के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। 1993 में पुलिस ने उसे लूट के एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद 1998 में उसके खिलाफ मारपीट का एक और मामला दर्ज हुआ था। दोनों मामलों में वह कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था।



दूर-दराज से लोग काली सरकार बाबा उर्फ प्रदीप शुक्ला से मिलने और उसका आशीर्वाद लेने मऊरानीपुर आते हैं।

इसके बाद कोर्ट ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी कर दिए थे। हरदोई पुलिस करीब 12 साल से उसकी तलाश कर रही थी। रविवार को हरदोई और मऊरानीपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने मंदिर में दबिश देकर काली सरकार बाबा उर्फ प्रदीप शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया।

ताजमहल देखने आई महिला की हुई मौत पोस्टमॉर्टम से पता चलेगा वजह

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा। आगरा में ताजमहल का देखने आई झारखंड की रहने वाली आस्मनिया बीबी (60) की सोमवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह ताजमहल के पश्चिमी गेट के बाहर स्थित पार्किंग में बस से उतरते समय बेहोश होकर गिर पड़ीं। उनके साथ आए पर्यटकों ने उन्हें संभालने की कोशिश की, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। सूचना मिलने पर पर्यटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला की मौत के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस की मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कारण पता चल सकेगा।

जानकारी के अनुसार, आस्मनिया बीबी झारखंड से पर्यटकों के एक ग्रुप के साथ बस से आगरा आई थीं। सोमवार सुबह करीब 6 बजे ग्रुप के अन्य पर्यटक बस से उतर रहे थे। इसी दौरान आस्मनिया बीबी अचानक नीचे गिर गईं। बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत पहले से ठीक नहीं थी। उन्हें गिरता देख साथ आए पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही पर्यटन थाना पुलिस पश्चिमी गेट के बाहर पार्किंग में पहुंची। महिला की मौत की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जरूरी कार्रवाई की और एंबुलेंस से शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। महिला की मौत किस वजह से हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा। घटना के बाद महिला के साथ आए पर्यटक शोक में डूब गए।

फास्ट न्यूज

ऐंथेला सोसायटी में नवरात्रि शुरू

आगरा। आगरा के ऐंथेला सोसायटी में नवरात्रि महोत्सव के पहले दिन भक्तिभाव और उत्साह के साथ माता रानी की स्थापना की गई। सोसायटी निवासियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का स्वागत किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। सोसायटी निवासी अभिषेक पाराशर ने बताया कि हर वर्ष श्री मंगलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में माता रानी की स्थापना की परंपरा निभाई जाती है।

कानपुर में कारखाने से 18 किलो चांदी का पाउडर चोरी

कानपुर। कानपुर के चकेरी क्षेत्र के पोखरपुर में चांदी के कारखाने से 18 किलो पाउडर चोरी हो गया। चोर छत में बने होल से रस्सी के सहारे नीचे उतरा और करीब 45 लाख रुपए का चांदी का पाउडर लेकर फरार हो गया।

पूरी वारदात कारखाने में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। चोरी के दौरान कारखाने में मौजूद दो कारीगरों को चोर की भनक लग गई थी, लेकिन हत्या के डर से वे बिस्तर पर पड़े रहे। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने चोर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए दो टीमें लगाई हैं।

घाटमपुर में दुर्गा देवी मंदिर पर भंडारा आयोजित

कानपुर । कानपुर के घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र के दुर्गा देवी मोड़ स्थित मां दुर्गा देवी मंदिर में ‘नौ देवी नौ दिन नौ भंडारा’ अभियान के तहत भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कानपुर नगर स्वप्निल वरुण ने मंदिर में मां भगवती के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में संत अखंडानंद महाराज का सान्निध्य रहा।

कोलकाता जाने निकले ट्रक चालक का पत्थरों पर मिला शव

आगरा में सिर पर चोट के निशान, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा । आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर रविवार देर रात 55 साल के ट्रक चालक का शव मिला। केएमडी अस्पताल के पास बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान के बाहर पत्थरों पर शव पड़ा था। सिर में गहरी चोट थी और शरीर खून से लथपथ था। पुलिस के मुताबिक, घर से माल लेकर कोलकाता जाने की बात कहकर घर से निकले थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने ट्रक के परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी। घटना ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान नगला किशनलाल निवासी विजय सिंह के रूप में हुई है। वह रविवार शाम माल लेकर कोलकाता जाने की बात कहकर घर से निकले थे। रात करीब 11 बजे शेरा उनके घर पहुंचा और किसी अज्ञात ट्रक से हादसा होने की जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो विजय का शव घर से करीब 500 मीटर दूर मिला। घटनास्थल के पास अरोड़ा पेट्रोल पंप के नजदीक माल से लदी कैंट्रा गाड़ी खड़ी थी। विजय के बड़े बेटे मोनू ने पिता के साथ मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। उनके माथे के बाईं तरफ गहरी चोट और आंख के नीचे काला निशान मिला था। पुलिस के मुताबिक, शेरा ने टेढ़ी बगिया चौकी पहुंचकर दुर्घटना की सूचना दी थी। वह नशे की हालत में था, इसलिए उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के मुताबिक, परिजनों ने विजय के शराब पीने का आदी होने की जानकारी दी है। फिलहाल जांच की जा रही है कि उनकी मौत सड़क दुर्घटना में हुई या इसके पीछे कोई दूसरी वजह थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

दोनों सस्पेंड, कर्मचारी को सड़क पर पीटा, कपड़े फाड़े, बर्थडे की पार्टी थी

हुक्का नहीं मिलने पर दरोगा कॉन्स्टेबल ने की मारपीट

तमसा संकेत, एजेंसी



कानपुर । कानपुर के स्वरूप नगर स्थित एक रेस्तरां में शनिवार देर रात हुक्का नहीं मिलने पर विवाद हो गया। आरोप है कि नशे में धुत एक दरोगा, ACP घाटमपुर के हमराही और दो अन्य युवकों ने कर्मचारियों से गाली-गलौज और मारपीट की। कर्मचारियों के कपड़े फाड़ने और मोबाइल लेने पहुंची युवतियों पर छींटाकशी करने का भी आरोप है। डीसीपी सेंट्रल कार्यालय से कुछ दूरी पर हुए हंगामे का लोगों ने वीडियो बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद रात करीब ढाई बजे शुरू हुआ और करीब 3 बजे तक चलता रहा। मामले की जांच ACP स्वरूप नगर ज्योति श्री को सौंपी गई है। सोमवार को पुलिस उपायुक्त ने कहा- दोनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पूरे मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। आरोप है कि हंगामा करने वालों में दरोगा रजनीश भाटी बेकनगंज थाने में तैनात है, जबकि दूसरा युवक ACP घाटमपुर कृष्णकांत का हमराही आदित्य यादव है। घटना के समय दोनों सादी वर्दी में थे और उनके साथ दो अन्य युवक भी मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हंगामे के दौरान ACP का हमराही फोन करके स्वरूप नगर चौकी प्रभारी और थाना पुलिस को मौके पर बुलाने लगा। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही चारों युवक वहां से चले गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ युवतियां अपना मोबाइल लेने के लिए रेस्तरां पहुंची थीं। आरोप है कि हंगामा कर रहे युवकों ने उन पर भी छींटाकशी की। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कांस्टेबल आदित्य यादव का आवास स्वरूप नगर थाने में स्थित है। शनिवार को कांस्टेबल का बर्थडे था। जिस पर कांस्टेबल, दरोगा रजनीश भाटी अपने दो अन्य साथियों के साथ गोविंद नगर गए थे, जहां पार्टी करने के बाद चारों नशे में धुत होकर रात ढाई बजे रेस्टोरेंट पहुंचे थे, जहां उनकी रेस्टोरेंट कर्मचारियों से मारपीट हुई।

हुक्का देने से मना किया तो शुरू हुआ विवाद

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शनिवार देर रात करीब ढाई बजे चार युवक कार से स्वरूप नगर स्थित रेस्तरां पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों से हुक्का मांगा। रेस्तरां में हुक्का उपलब्ध कराने से मना करने पर युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे।

आरोप है कि कर्मचारियों ने विरोध किया तो युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कर्मचारियों के कपड़े तक फाड़ दिए गए। हंगामा रेस्तरां से सड़क तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

4 श्रद्धालुओं की मौत के बाद आक्रोश

कांवड़ पटरी मार्ग पर घरवालों ने लगाया जाम, 50 लाख रुपए मुआवजा मांगा

तमसा संकेत, एजेंसी



4 श्रद्धालुओं के शाकुंभरी देवी से लौटते समय मौत के बाद परिवार के लोग सोमवार को मेरठ में धरने पर बैठ गए।

मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख और घायलों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग, आधे घंटे में अधिकारी नहीं पहुंचे तो एनएच-58 जाम करने की चेतावनी।

मेरठ । सहारनपुर के देवबंद में सड़क हादसे में कुशावली गांव के चार श्रद्धालुओं की मौत के बाद पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद नहीं मिलने से ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। सोमवार को ग्रामीणों ने हादसे में घायल युवकों को साथ लेकर चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग स्थित अटेरना गंगनहर पुल पर जाम लगा दिया।

ग्रामीण मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख और घायलों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए। मौके पर अधिकारियों के नहीं पहुंचने से नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि आधे घंटे के भीतर अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे तो वे एनएच-58 पर भी जाम लगा देंगे।

कुशावली गांव निवासी अमन पुत्र चंदन, पंकज पुत्र ओमप्रकाश, बिल्लू उर्फ रमेश पुत्र सूरज बली और सागर सोम पुत्र राजेंद्र सात अक्टूबर को मां शाकुंभरी देवी की ज्योत लेने गए थे। शुक्रवार रात ट्रैक्टर-ट्रॉली से लौटते समय देवबंद क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में चारों की मौत हो गई।

हादसे में गांव के कई अन्य लोग भी घायल हुए थे। शनिवार को चारों मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया तो गांव में मातम छा गया। एक साथ चार चिताएं जलने से हर आंख नम हो गई। मृतकों में करीब 45 वर्षीय पंकज मजदूरी कर परिवार पालते थे। 26 वर्षीय अमन कैपरी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता था। 24 वर्षीय सागर सहारनपुर की एक कंपनी में कार्यरत था, जबकि करीब 55 वर्षीय बिल्लू उर्फ रमेश खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। चार मौतों से सदमे में डूबे गांव में अब मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोश बढ़ गया है।



ग्रामीण बोले- परिवार को मिले सहायता राशि

अचानक लगाए गए जाम से कांवड़ पटरी मार्ग पर वाहनों के पहिये थम गए। मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना था कि हादसे ने चार परिवारों को उजाड़ दिया है।

किसी परिवार ने अपना बेटा खोया है तो किसी के सिर से पिता का साया उठ गया। इसके बावजूद पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता नहीं मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजे की घोषणा कर पीड़ित परिवारों को राहत दिलाने की मांग की।

आगरा यूनिवर्सिटी में रिजल्ट से नाराज छात्र टंकी पर चढ़े

बीए-एलएलबी फर्स्ट ईयर के छात्र बोले- जानबूझकर फेल किया गया

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा। आगरा के डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में बीए-एलएलबी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम को लेकर सोमवार को हंगामा हुआ। परीक्षा में फेल होने से नाराज छात्र विरोध जताने के लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। छात्रों के इस कदम से परिसर में हड़कंप मच गया। स्टूडेंट्स का कहना है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने परीक्षा परिणाम जारी करने में देरी की। इसके बाद भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को फेल कर दिया गया। रिजल्ट में गड़बड़ी की शिकायत करने और उसमें सुधार कराने के लिए कई बार विश्वविद्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

छात्रों का कहना है कि बीए-एलएलबी प्रथम वर्ष का परिणाम जारी होने के बाद उन्हें फेल होने की जानकारी मिली। इसके बाद विद्यार्थियों ने परिणाम में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत की। उनका आरोप है कि रिजल्ट में सुधार कराने के लिए वे कई बार विश्वविद्यालय पहुंचे, लेकिन हर बार उन्हें निराशा हाथ लगी। लगातार प्रयास करने के बावजूद परिणाम में सुधार नहीं होने से छात्र नाराज थे। विद्यार्थियों का कहना है कि जब शिकायतों के बाद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो उन्हें विरोध का रास्ता अपनाना पड़ा। बीए-एलएलबी प्रथम वर्ष के परिणाम को लेकर छात्रों की नाराजगी अब विश्वविद्यालय परिसर में विरोध के रूप में सामने आई है।

पृष्ठ 01 का शेष...

‘कांग्रेस को...

यह रकम बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए दी गई। इससे पहले मिशन शक्ति के छठे चरण के तहत जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में हुदहुद चक्रवात से काफी नुकसान हुआ था। उस समय भारत सरकार ने 3,200 करोड़ रुपए भेजे थे, लेकिन किसानों को सिर्फ 800 करोड़ रुपए ही मिल पाए। बाकी पैसा सपा सरकार के लोग हजम कर गए। किसानों का श्राप आज उन्हें ले डूबा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा जाति के नाम पर समाज को बांटती है, लेकिन किसानों के पैसे पर डकैती डालती है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस के समय केंद्र से 100 रुपए भेजे जाते थे, लेकिन नीचे तक पहुंचते-पहुंचते 15 रुपए रह जाते थे। बीच में कांग्रेसी और समाजवादी यह पैसा डकार जाते थे। अब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जो पैसा देते हैं, वह सीधे किसानों के खातों में जाता है। बीच में न पैसा घिसेगा और न कोई डकैती डाल पाएगा। पूरी रकम खाते में पहुंचेगी।

सीएम ने कहा कि प्रशासन को बाढ़ से हुए कटान वाले इलाकों में तत्काल सहायता देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए अलग से धनराशि दी जा चुकी है। सड़क या किसी अन्य तरह का नुकसान हुआ है तो उसकी भरपाई के लिए भी पैसे की कमी नहीं है। भाजपा की डबल इंजन सरकार धनराशि उपलब्ध कराएगी। किसी नागरिक, युवा या व्यापारी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। बीवीजी-रामजी के माध्यम से भी व्यवस्था की गई है कि कटान वाले क्षेत्रों में काम कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक सप्ताह पहले बड़े पैमाने पर फसलें, जन और पशुधन का नुकसान हुआ था। डबल इंजन सरकार प्रभावित किसानों को फसल क्षति, जनहानि और मकानों के नुकसान का मुआवजा उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में 9 लाख 18 हजार 91 किसानों के खातों में करीब 500 करोड़ रुपए सीधे भेजे जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। अब तक किसानों को करीब 1,000 करोड़ रुपए की सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि जिन किसानों की फसलें खराब हुई हैं, ऐसे 9 लाख से अधिक किसानों के खातों में डीबीटी के जरिए 493 करोड़ रुपए से अधिक की राहत राशि भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में एक लाख रुपए तक के कृषि कर्ज माफ करने का वादा किया था, जिसे पूरा किया गया।

पहली बार विपक्ष का...

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने INDIA ब्लॉक के सुप्रीम कोर्ट तक मार्च के दौरान कहा, लोकतंत्र की रक्षा किसी भी राजनीति से ऊपर है। नागरिकों से उनके वोट देने का अधिकार छीन लिया गया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कानूनी टीम सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री के शाम 4:30 बजे बंद होने की समय-सीमा के बाद याचिका दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने की मांग कर रही है। आम तौर पर ऐसे मामलों में पक्षकार सुप्रीम कोर्ट की ई-फाइलिंग सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो 24x7 उपलब्ध रहती है।

कांग्रेस के प्रदर्शन के चलते सुरक्षा कारणों से बंद किए गए सभी मेट्रो स्टेशनों के एंट्री-एग्जिट गेट फिर से खोल दिए गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा- आंदोलन और धरना जारी रहेगा। लोकतंत्र को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। BJP, चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। वह हमेशा सत्ता में बने रहना चाहती है। वे फर्जी वोटर लिस्ट बनाते हैं, फर्जी वोट डालते हैं और चुनाव के नतीजे तैयार करते हैं।

सरकार प्रदर्शन की जगह बदलकर खुद को नहीं बचा सकती और न ही प्रदर्शन स्थल बदलने से कथित गड़बड़ियां छिप सकती हैं। हम लोकतंत्र के लिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे। संघर्ष जारी रहेगा।

राहुल गांधी की लीगल टीम सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। टीम ने नई दिल्ली में जारी प्रदर्शन और ECI में गड़बड़ी से जुड़े मुद्दों पर याचिका दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा- राहुल हवा-हवाई नेता हैं। वे बस झूठ बोलते रहते हैं। अब तो सड़क छाप भाषा पर उतर आए। राहुल गांधी देश को शोर नहीं सच चाहिए। आरोप नहीं सबूत चाहिए। आप राष्ट्रपति के पास गए तो कहा गया कि सबूत दिखाएं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि कोर्ट का आप राजनीति का रणक्षेत्र नहीं बना सकते।

जंतर-मंतर पर धरना...

जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगहों से हटाने के पीछे की वजह नहीं बताई गई है। लेकिन, माना जा रहा है कि संसद से सिर्फ 1.5 km दूरी इसकी सबसे बड़ी वजह है।

जून-जुलाई में हुए कॉकरोच पार्टी के धरने के दौरान प्रदर्शनकारी संसद के नजदीक पहुंच गए थे। उन्हें रोकने के लिए दरवाजे बंद करने पड़े थे।

एक बार फिर कॉकरोच पार्टी अब यहां प्रदर्शन के लिए मंजूरी मांग रही है। यहां तक की राहुल समेत विपक्ष भी जंतर-मंतर पर धरना देने की तैयारी में है।

रामलीला मैदान भी संसद से करीब 3-4 किमी दूर है, जबकि बुराड़ी और CBD मैदान शहर के दूसरे हिस्सों में हैं।

9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी जंतर-मंतर के विकल्प के तौर पर ऐसी बड़ी जगह तलाशने की बात कही थी, जहां पानी, टॉयलेट और मेडिकल जैसी सुविधाएं हों।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ...

विस्फोट में चारों आतंकियों की मौके पर ही मौत हो गई। भारतीय सुरक्षा बलों ने पूरे सेक्टर में अलर्ट जारी कर दिया है। नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संभावित सुरक्षा चूक को रोका जा सके।

घर में घुसने से रोका...

सूचना पर भीटी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हालांकि, परिजन और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को घटनास्थल पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। उनका कहना था कि एसपी के मौके पर पहुंचने के बाद ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। इस वजह से शव उठाने को लेकर स्थिति बनी रही।

महिला की हत्या के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि कुछ दिन पहले क्षेत्र की नदी में आधा दर्जन से अधिक नीलगायों के शव मिले थे। ग्रामीणों के अनुसार, इसकी सूचना पुलिस और वन विभाग को दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। महिला की हत्या के बाद उन्होंने इस पुराने मामले का भी उल्लेख किया और कार्रवाई की मांग उठाई। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में पुलिस बल मौजूद रहा।

राष्ट्रपति ने 6 राज्यो...

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर इससे पहले केरल के राज्यपाल के तौर पर कार्यरत थे. वह गोवा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और बिहार व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल रह चुके हैं. जनवरी 2025 से केरल के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभाल रहे आर्लेकर को अब तमिलनाडु का पूर्णकालिक राज्यपाल नियुक्त किया गया है. आर.एन. रवि के मार्च में पश्चिम बंगाल स्थानांतरित होने के बाद आर्लेकर तमिलनाडु का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे. ब्रज मोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है. झारखंड के आदिवासी नेता और पूर्व सांसद राम को ओडिशा में राज्यपाल पद की रिक्ति के बाद नियुक्त किया गया है।

श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई, श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है

पाकिस्तान टी-20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता

खेल

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96 और कप्तान साहिबजादा फरहान ने 73 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को कैच छूटने का फायदा मिला।

216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा ने पहले ही ओवर में लहिरु उदारा को आउट कर दिया। इसके बाद अपना दूसरा टी-20 इंटरनेशनल खेल रहे मोहम्मद इमरान ने स्विंग गेंदबाजी से श्रीलंका के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया।

इमरान ने 4 ओवर में 11 रन देकर सिनेथ जयवर्धने (22), कप्तान कुसल मेंडिस (9) और सहन अराचिगे (0) के विकेट लिए। श्रीलंका ने 8वें ओवर तक 49 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे और इसके बाद टीम संभल नहीं सकी।

श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस ने हार के बाद कहा कि बल्लेबाजों को, उनमें खुद भी शामिल हैं, जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह बैटिंग के लिए अच्छी पिच थी। हमें कम से कम 200 रन बनाने चाहिए थे।' मेंडिस ने कहा- 'पिछले कुछ टूर्नामेंट में हमारी फील्डिंग अच्छी रही थी, लेकिन इस सीरीज के दोनों मैचों में हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके।'



कैच छूटने का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने उठाया फायदा

श्रीलंका की खराब फील्डिंग का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कप्तान साहिबजादा फरहान जब 11 रन पर थे, तब सिनेथ जयवर्धने ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इससे पहले बिनुरा फर्नांडो के ओवर में महेश तीक्षणा ने भी उनका मुश्किल कैच टपकाया था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शनाका की गेंद पर महेश तीक्षणा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा।

माज सदाकत 4 रन से शतक चूके

कैरेबियन प्रीमियर लीग (CPL) में लगातार दो शतक लगाने वाले बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज माज सदाकत ने अपनी फॉर्म जारी रखी। 44 रन के निजी स्कोर पर नुवान तुषारा ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया था। सदाकत ने 51 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 96 रन बनाए। पारी की आखिरी गेंद पर ईशान मलिंगा की गेंद पर डीप कवर में कैच आउट होने से वह अपने पहले टी20 इंटरनेशनल शतक से चूक गए। सदाकत ने कहा, 'मैं अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहता था। मुझे खुद पर भरोसा था। मैं सकारात्मक इरादे से बल्लेबाजी करना और सही गेंदों पर बाउंड्री लगाना चाहता था।'



रणजी ट्रॉफी के बीच इंडिया-ए का न्यूजीलैंड दौरा क्यों- वेंगसरकर

घरेलू क्रिकेट की अहमियत कम होगी, 24 अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

- वेंगसरकर बोले- घरेलू सीजन के दौरान इस तरह के टूर करना बेतुका
- कंडीशंस भांपने के लिए मुख्य टीम को जल्दी भेजिए- वेंगसरकर

नई दिल्ली, एजेंसी



पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने रणजी ट्रॉफी सीजन के बीच में इंडिया-ए टीम को न्यूजीलैंड भेजने पर नाराज हैं। उन्होंने BCCI के इस फैसले की आलोचना की है।

70 साल के वेंगसरकर ने कहा, 'जब रणजी ट्रॉफी सीजन चल रहा है, तब इंडिया ए का दौरा क्यों कराया जा रहा है? फिर रणजी ट्रॉफी कराने का क्या मतलब है?'

इंडिया ए को 24 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करना है। उसे वहां पर 3 मल्टी डे मैच खेलने हैं। टीम इंडिया की कप्तानी ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है।

वेंगसरकर ने कहा, 'अपने घरेलू सीजन के दौरान इंडिया-ए का इस तरह का दौरा पूरी तरह बेतुका है। इससे देश के प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट का महत्व कम हो रहा है।'

वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आपके सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी के दौरान इंडिया ए के लिए खेल रहे हैं, तो रणजी में रन बनाने और विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन का महत्व कम हो जाता है।' वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि आपके खिलाड़ी परिस्थितियों और स्थानीय माहौल के जल्दी अभ्यस्त हों, तो अपनी मुख्य टीम को जल्दी भेजिए।'

116 टेस्ट खेल चुके वेंगसरकर ने आगे कहा, 'उन खिलाड़ियों को भेजने का कोई मतलब नहीं है, जो टेस्ट सीरीज में खेलने वाले ही नहीं हैं।' वेंगसरकर भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। उन्होंने पहले भी घरेलू कैलेंडर के दौरान इंडिया A टूर और घरेलू सीरीज कराने के BCCI के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

हम विंडीज को वापसी का मौका नहीं देना चाहते थे, भारत ने जीता तीसरा टी-20

स्प्रिंगर के शॉर्ट देखकर हैरान था : अभिषेक शर्मा

बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 में 14 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। रविवार को मैच के बाद भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने कहा- 'आज स्प्रिंगर ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे मैं सच में हैरान था। उसने ऐसे शॉट खेले, जो आसान नहीं थे।'

स्प्रिंगर 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और 11 गेंद पर 2 चौके और 4 छक्के के सहारे नाबाद 35 रन बना दिए। उन्होंने 318.18 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हालांकि, टीम इंडिया ने मैच जीत लिया। अभिषेक ने अपनी धीमी शुरुआत की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज ने उन्हें आउट करने के लिए प्लान बनाए थे। उन्होंने कहा, 'पहले ओवर में ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज गेंदबाजी कर रहे थे। मैंने उन्हें सम्मान दिया। अभिषेक ने कहा- चेज इस सीरीज में बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। पावरप्ले में मैं कुछ रन बनाने की कोशिश कर रहा था। उनके पास मेरे लिए कुछ प्लान थे और मुझे उससे बेहतर खेलना था।'



मैच के बाद स्प्रिंगर का बल्ला देखते भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर।

टीम हडल में तय किया था कि हमें सख्त रहना है

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने कहा कि टीम ने हडल में तय किया था कि हमें पूरे मैच के दौरान सख्त बने रहना है। टीम वेस्टइंडीज को वापसी का एक भी मौका नहीं देना चाहती थी।

अभिषेक ने कहा कि वेस्टइंडीज ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ कभी नहीं कहा जा सकता कि मैच भारत के हाथ में आ गया है। उन्होंने कहा कि टीम को पता था कि वहां के हालात में बल्लेबाज किसी भी स्थिति से मैच छीन सकते हैं।



अभिषेक ने कहा- एक भी खराब गेंद नहीं डालना चाहते थे

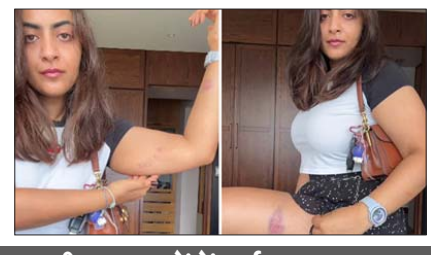
अभिषेक शर्मा ने कहा कि दूसरे मैच के बाद भारतीय टीम इस बार पूरी तरह तैयार थी। टीम का फोकस खराब गेंदों से बचने का था। अभिषेक ने कहा, 'गेंदबाजी के दौरान पावरप्ले अच्छा रहने के बावजूद हम उन्हें एक भी खराब गेंद नहीं दे सकते थे।' क्योंकि, हम उन्हें वापसी का मौका नहीं देना चाहते थे।

मनोरंजन



वीडियो जारी कर दिखाए चोट के कई निशान, प्रोटेस्ट से इमरान खान के साथ डिटेन हुई थीं

आमिर खान की भांजी के साथ पुलिस ने की बर्बरता



नई दिल्ली। आमिर खान की भांजी जैन मैरी 8 अक्टूबर को मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट का हिस्सा बनी थीं। उनके साथ कजिन एक्टर इमरान खान भी पहुंचे थे। प्रोटेस्ट का हिस्सा बनने पर उन्हें डिटेन किया गया था। अब जैन ने एक वीडियो जारी कर डिटेनशन के समय हुई बर्बरता से शरीर पर लगे चोट के निशान दिखाए हैं। जैन मैरी ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो शेयर किया जिसमें उनकी बांह, उंगलियों और पैरों पर चोट के कई निशान दिख रहे हैं। चोट दिखाते हुए जैन ने कहा, "हमें इतना मत डराइए कि पहले से कोई डर ही बाकी न रहे।" जैन ने इंस्टाग्राम स्टोरी से भी एक वीडियो जारी कर दिखाया है कि उनकी जांघ में नील पड़ चुके हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ मेरी कला और कुछ मुंबई पुलिस और राइट कंट्रोल ऑफिसर्स की। ये नर्क की तरह दर्दनाक है, लेकिन आर्ट और कराओके करेंगे।' जैन मैरी, इमरान खान और लेखा वॉशिंगटन को शनिवार को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। तीनों को कुछ घंटे बाद छोड़ दिया गया। इसके बाद रविवार को इमरान खान के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

बीएनएस की 5 धाराओं में दर्ज हुआ मामला

मुंबई पुलिस ने रविवार को बताया कि इमरान खान के खिलाफ दर्ज एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (आदेश न मानना), 126(2) (गलत तरीके से रोकना), 189(2) (गैर-कानूनी जमावड़ा), 189(3) और 189(5) लगाई गई हैं। इस मामले में पुलिसकर्मी खुद ही शिकायतकर्ता बने हैं। जैन मैरी ने सोशल मीडिया पर डिटेन किए जाने का वीडियो जारी किया, जिसमें वो, लेखा और इमरान लगातार पुलिस से डिटेन किए जाने की वजह पूछते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा भी जैन ने पुलिस वैन से एक वीडियो जारी किया। जैन ने दावा किया कि उन्हें कथित तौर पर यह नहीं बताया गया कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है। लेखा वॉशिंगटन ने शनिवार रात इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर कर बताया कि रिहाई के बाद वे सुरक्षित हैं। साथ ही लेखा ने दावा किया कि रिहाई के बाद भी उनकी मुश्किलें जारी रहीं। उन्होंने कहा कि वे घर लौटने के लिए कैब बुक नहीं कर सके।

> अन्य प्रदर्शनकारियों की ओर से शेयर किए गए वीडियो में इमरान भी घटना के बारे में बोलते दिखे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें, लेखा और जैन को करीब दो घंटे तक पुलिस वैन में घुमाया गया। इमरान के मुताबिक, इस दौरान उन्हें हिरासत में लिए जाने की कोई वजह नहीं बताई गई।



होटल रेड में 35 साल की टीवी एक्ट्रेस रेस्क्यू

एनजीओ ने पुलिस को दी सेक्स रैकेट की सूचना, प्रोटेक्शन सेंटर में रखी गईं

नई दिल्ली, एजेंसी



महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे के एक होटल में रेड कर देह व्यापार और मानव तस्करी के एक कथित रैकेट का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में 35 साल की एक टीवी एक्ट्रेस को भी रेस्क्यू किया गया है। वहीं रैकेट चलाने वाली एक 39 साल की महिला की भी गिरफ्तारी हुई है, जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ीं महिलाओं को देह व्यापार में फंसाती थी। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह पर टीवी सीरियल, वेब सीरीज में काम करने वाली एक्ट्रेसेस को फंसाया जा रहा था। इन्हें फोटोशूट के नाम पर बुलाया जाता और बाद में जबरन रैकेट में शामिल किया जाता था।

महाराष्ट्र पुलिस को एक NGO से इस कथित रैकेट की जानकारी मिली थी। इसके बाद 8 अक्टूबर को पुलिस ने मीरा-भायंदर रोड स्थित एक होटल में नकली, अंडरकवर ग्राहक भेजा। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने होटल में छापा मारा।

इस दौरान पुलिस ने तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी (39) को पकड़ा। पुलिस का आरोप है कि वह महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने के बदले पैसे ले रही थी। इस रेड में 35 साल की टीवी एक्ट्रेस को रेस्क्यू किया गया। वह हिंदी टीवी सीरियल और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। बचाव के बाद उन्हें मुंबई के रेस्क्यू फाउंडेशन में सुरक्षा के लिए रखा गया है। पुलिस ने एक्ट्रेस का नाम और उनके काम से जुड़ी दूसरी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला और उसका कथित साथी मनोरंजन जगत में काम करने वाली महिलाओं को निशाना बनाते थे। हालांकि, पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि इस मामले में कुल कितनी महिलाएं प्रभावित हुई हैं और कथित रैकेट कितने समय से चल रहा था। तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले की रहने वाली है और फिलहाल मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में रहती थी। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 143 और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

2026 का ये इस तरह का तीसरा मामला

1. सितंबर 2026 भोजपुरी फिल्मों और हिंदी वेब सीरीज में काम कर चुकी 26 वर्षीय एक्ट्रेस पर कथित देह व्यापार का रैकेट चलाने का आरोप लगा। पुलिस ने दो महिलाओं को बचाया। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी को हिरासत में लिया गया और मामले की जांच शुरू हुई। एक्ट्रेस की पहचान रिपोर्ट में नहीं बताई गई।

2. जून 2026 मुंबई पुलिस ने एक होटल में कथित देह व्यापार के रैकेट पर कार्रवाई की। रिपोर्टों के मुताबिक, मराठी फिल्म की एक लीड एक्ट्रेस और बंगाली फिल्मों में काम कर चुकी दूसरी एक्ट्रेस को बचाया गया। मामले में एक मेकअप आर्टिस्ट को कथित तौर पर ग्राहकों और महिलाओं के बीच संपर्क कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।



नवरात्रि के पहले दिन नैना देवी मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर

रिया चक्रवर्ती के साथ नैनीताल में कर रहीं शूटिंग, बारिश के बीच रोमांटिक सॉन्ग शूट किया

नैनीताल। नैनीताल में बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और रिया चक्रवर्ती अपनी नई थ्रिलर-रोमांटिक फिल्म 'पीएन 36' की शूटिंग कर रही हैं। रविवार को नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखकर जाह्नवी कपूर होटल से करीब 150 मीटर पैदल चलकर नैना देवी मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने मां की आरती की और पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति की ओर से उन्हें मां की चुनरी भेंट की गई। जाह्नवी और रिया ने बारिश और बादलों के बीच फिल्म के एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग भी की। अब तक फिल्म की शूटिंग नैनीताल के स्विस होटल में हुई है।

शनिवार को दोनों एक्ट्रेस ने यहां शूटिंग की थी। वहीं, होटल नमः में भी फिल्म के कुछ सीन फिल्माए गए हैं। हालांकि, यह शूटिंग नैनीताल से बाहर हुई है। शूटिंग के बीच दोनों एक्ट्रेस नैनीताल में ही हैं। ब्रेक के दौरान उनके आसपास के इलाकों में घूमने की संभावना है। दोनों के कैंची धाम जाने की भी चर्चा है, हालांकि अभी दर्शन का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस का भी ध्यान रख रही हैं। वह सुबह करीब 7 बजे मल्लीताल के रोपवे मार्ग स्थित बुल्स जिम में वर्कआउट करने पहुंची थीं। 'पीएन 36' में साउथ की एक्ट्रेस श्रीलीला और एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं।



हूती विद्रोहियों ने रियाद एयरपोर्ट पर मिसाइल दागी, भारतीय समेत 13 लोगों की मौत

सऊदी अरब पर 10 साल में सबसे बड़ा हमला

हमला

रियाद/नई दिल्ली, एजेंसी

यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार रात सऊदी अरब में रियाद एयरपोर्ट पर हमला किया। इसमें एक भारतीय समेत 13 लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हुए।

इसके बाद सऊदी सरकार ने रियाद एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट्स का संचालन रोक दिया। हालांकि अगले ही दिन रविवार को हूती विद्रोहियों ने घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होने वाले टर्मिनल पर हमला कर दिया। इसमें एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई। 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुआ हमला पिछले एक दशक में सऊदी अरब पर सबसे बड़ा हमला था। इससे पहले मई 2015 में एक



रियाद एयरपोर्ट पर शनिवार को हुए हमले का वीडियो। इस हमले में करीब 300 लोग घायल हुए थे।

सऊदी के कातिफ में एक शिया मस्जिद पर हमला हुआ था जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। इसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। सऊदी अरब पर बढ़ते हमले के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट के लिए उड़ानें रोक दी हैं। इनमें एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, लुफ्थांसा ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को रियाद एयरपोर्ट पर हुए मिसाइल हमले की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि आम नागरिकों और उनके इस्तेमाल वाली जगहों को बार-बार निशाना बनाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

इंटरनेशनल उड़ानें बंद, अब घरेलू उड़ान पर भी संकट

हूती विद्रोहियों के हमले के बाद रियाद एयरपोर्ट की इंटरनेशनल उड़ानें शनिवार से ही बंद हैं। विद्रोहियों ने एयरपोर्ट और सऊदी के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी है।

रविवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 और टर्मिनल-4 पर हमला हुआ। यहां से घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं। एयरपोर्ट पर मौजूद एक यात्री के मुताबिक, रविवार रात करीब 8:30 बजे एक गोला रनवे पर गिरा। यह कई खड़े विमानों के पास गिरा, जिससे वहां आग लग गई। उस समय यात्री विमान रनवे पर पार्किंग की जगह की ओर बढ़ रहा था।

हूतियों का कहना है कि वे यमन के गृहयुद्ध में सऊदी अरब की भूमिका के विरोध में हमले कर रहे हैं। हूतियों का कहना है कि सऊदी अरब के एयरपोर्ट को फिर निशाना बनाया जा सकता है।



सऊदी अरब के रियाद एयरपोर्ट पर हमले के बाद आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह तस्वीर 11 अक्टूबर के हमले की है।

सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों को सतर्क रहने, जरूरत पड़ने पर घरों के अंदर रहने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह भी दी है।

7 अक्टूबर - रियाद एयरपोर्ट पर हमले में 1 सूडानी नागरिक की मौत और 8 लोग घायल हुए। इसी दौरान आभा एयरपोर्ट पर अलग हमले में 2 लोगों की मौत हुई और 28 घायल हुए।

सोना आज 1,005 रुपए सस्ता हुआ

10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.48 लाख रुपए पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी



सोने-चांदी की कीमतों में 12 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,005 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 235 रुपए घटकर 2.21 लाख रुपए पर आ गई है।

इससे पहले बीते महीने यानी सितंबर में सोना 8 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती रुपए हुई। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 30 सितंबर को 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है।

अमेरिका-ईरान जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है।निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में फिर चुन सकते हैं।

निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अब भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं। किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का मौका भी बन सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तानी सेना का विमान ट्रेनिंग के दौरान क्रैश

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना का एक विमान तकनीकी खराबी के कारण ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। घटना बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास हुई है। सेना ने न्यूज एजेंसी PTI को मामले की जानकारी देते हुए कहा, 'दोपहर के समय, तकनीकी खराबी के कारण पाकिस्तानी आर्मी एविएशन का एक मुशशक ट्रेनिंग विमान क्वेटा के नवां किल्ली के पास क्रैश हो गया।'

टूटे एंकल के इलाज के लिए अस्पताल गई 21 वर्षीय छात्रा की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के कनेक्टिकट राज्य में पैर का टखना टूटने पर इलाज कराने गई 21 वर्षीय कॉलेज छात्रा की पेनकिलर्स के ओवरडोज़ के कारण मौत हो गई। मृतका डेल एलिस मार्टिन टेक्सास की ट्रिनिटी यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी और इतिहास की पढ़ाई कर रही थीं। उनके परिवार ने अस्पताल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अदालत में मुकदमा दायर किया है। डेल एलिस मार्टिन 10 अप्रैल 2025 को खेत में काम करते समय चोटिल हो गई थीं, जिससे उनके पैर का टखना टूट गया था।

सिंगापुर F1 ग्रां प्री में बिना टिकट घुसा भारतीय नागरिक

सिंगापुर। एक भारतीय नागरिक पर बिना टिकट के फार्मूला-1 सिंगापुर ग्रां प्री इवेंट एरिया में घुसने के आरोप में दो मामले दर्ज किए गए हैं। 39 वर्षीय डावर अरिश आदिल टेमासेक एवेन्यू के गेट-2 पर थे, जब वे नौ अक्टूबर को दोपहर करीब 1.45 बजे (स्थानीय समय) टिकट वाले इलाके में घुस गए। उन पर 10 अक्टूबर को आरोप लगाए गए।

अफ्रीकी देश जिबूती के पास नाव डूबी, 109 की मौत

116 लापता, 305 लोग सवार थे

जिबूती सिटी, एजेंसी



अफ्रीकी देश जिबूती के तट के पास प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 109 लोगों की मौत हो गई, जबकि 116 लोग लापता हैं। नाव में करीब 305 लोग सवार थे। हादसे में 80 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संस्था (IOM) के मुताबिक, सभी जीवित बचे लोग इथियोपिया के नागरिक हैं। हादसा 8 और 9 अक्टूबर की दरमियानी रात जिबूती के ओबॉक शहर के उत्तर में हुआ। IOM के मुताबिक, हादसे के बाद अब तक 109 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 52 पुरुष, 42 महिलाएं और 15 बच्चे शामिल हैं। बच्चों में 9 लड़कियां और 6 लड़के हैं।

हादसे में बचे लोगों ने बताया कि नाव जिबूती से यमन जा रही थी। इसी दौरान वह समुद्र में पलट गई। लापता लोगों की तलाश और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए IOM की टीमें जिबूती के अधिकारियों के साथ काम कर रही हैं। जिबूती में IOM के मिशन प्रमुख एलेक्जेंडर कोइसाक ने कहा कि यह जानमाल का बेहद दुखद नुकसान है। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है या अब भी उनकी खबर का इंतजार कर रहे हैं। IOM के मुताबिक, गरीबी, असुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर के कारण कई लोग रोजगार और बेहतर जिंदगी की तलाश में यह खतरनाक समुद्री रास्ता अपनाते हैं।

एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे ■ समझौता न तोड़ने की चेतावनी दी

रूस और यूक्रेन में एनर्जी सीजफायर हुआ : ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया है कि रूस और यूक्रेन ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने रविवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि सीजफायर तत्काल प्रभाव से लागू होगा और दोनों देशों को इसका पालन करना चाहिए।

हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि सीजफायर कितने समय तक लागू रहेगा। रूस और यूक्रेन की ओर से इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि और इसकी शर्तों की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

ट्रम्प रूस की तेल रिफानरियों पर यूक्रेन के हमलों को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने शनिवार



को इन हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इन हमलों से दुनिया में ईंधन की समस्या बढ़ सकती है। दरअसल, यूक्रेन रूस की तेल से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बना रहा है। इससे रूस की तेल से होने वाली कमाई और उसकी सेना तक ईंधन पहुंचाने की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। तब से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोक देता है, तो यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले बंद करने को तैयार होगा।

उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर कहा था कि तनाव कम करने के लिए दोनों देशों को एक साथ कदम उठाने होंगे और इसके लिए पक्की सुरक्षा गारंटी भी जरूरी है।

जेलेंस्की ने कहा कि कुछ नेता युद्ध जारी रहने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, क्योंकि वे पुतिन को रोकने का तरीका नहीं खोज पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों पर दबाव डालने के मुकाबले पुतिन को रोकना ज्यादा मुश्किल है।



यूक्रेन ने 20 सितंबर को रूस की एक तेल रिफाइनरी पर बड़ा ड्रोन हमला किया था। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में रिफाइनरी को भारी नुकसान पहुंचा था।

जेलेंस्की ने चुनाव कराने के लिए 2 महीने के सीजफायर की मांग रखी

जेलेंस्की ने कहा है कि अगर ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन में चुनाव चाहते हैं, तो रूस को 60 दिन के लिए युद्ध रोकना होगा। जेलेंस्की ने कहा कि इस दौरान पूरी तरह सीजफायर लागू होने पर यूक्रेन चुनाव कराने के लिए तैयार है। 11 अक्टूबर को ABC न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि देश का अगला नेता कौन होगा, यह फैसला यूक्रेन की जनता करेगी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के कारण फिलहाल चुनाव नहीं कराए जा सकते। रूस के हमले के बाद देश में मार्शल लॉ लगाया गया था।

भारत ने हमले रोकने को कहा, 3 दिन में भारतीय नाविकों वाले तीन जहाजों पर हमला

होर्मुज के पास जहाज पर ड्रोन हमला, दो भारतीय लापता

नई दिल्ली, एजेंसी



होर्मुज स्ट्रेट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर रविवार को ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर सवार 11 भारतीय नाविकों में से 9 को बचा लिया गया, जबकि 2 अब भी लापता हैं। हमले के पीछे कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले 3 दिनों में इस क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें से एक हमला रविवार को ही एमटी वाल्थेरा पर हुआ था जबकि दूसरा हमला 9 अक्टूबर को एमटी जेम नंबर 2 पर हुआ। भारत ने जहाजों पर होने वाले हमले तुरंत रोकने को कहा है। रविवार को ही मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले टैंकर एमटी वाल्थेरा पर होर्मुज स्ट्रेट में एक ड्रोन या मिसाइल से हमला हुआ। इससे जहाज में आग लग गई। इस टैंकर पर भी 11 भारतीय नाविक सवार थे। सोनोवाल ने बताया कि सरकार जहाज के प्रबंधन से जुड़ी कंपनी के संपर्क में है और नाविकों की सुरक्षा पर नजर रख रही है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत तनाव कम करने और व्यापारिक जहाजों, नाविकों व नागरिक ठिकानों पर हमले रोकने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। संघर्ष का हल बातचीत और कूटनीति से निकाला जाना चाहिए। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों से व्यापार को सुरक्षित और बिना रुकावट जारी रखने पर भी जोर दिया। भारत दुनिया में व्यापारिक जहाजों के लिए नाविक उपलब्ध कराने वाले बड़े देशों में शामिल है। जहाजरानी मंत्रालय के मुताबिक, 2025 में भारत में 3.20 लाख से ज्यादा सक्रिय नाविक थे।

लापता नाविकों को खोजने की कोशिश जारी

निकारागुआ के झंडे वाले टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर ओमान के सोहर बंदरगाह के पास जहाज पर ड्रोन से हमला हुआ।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि भारतीय अधिकारी स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर लापता नाविकों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

ओमान की राजधानी मस्कट में भारतीय दूतावास भी मामले पर नजर रख रहा है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है।



अमेरिका और इजराइल की ओर से 28 फरवरी को ईरान पर हमले शुरू किए जाने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमलों में भारतीय नाविकों की मौत की घटनाएं भी सामने आई हैं।

पिछले हफ्ते विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास पनामा के झंडे वाले एक जहाज पर हुए हमले की निंदा की थी। मंत्रालय ने क्षेत्र में जहाजों पर हो रहे हमलों को रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी।

जियो-बीपी का पेट्रोल 5 और डीजल 3 महंगा

हरियाणा में एक लीटर पेट्रोल 109 और डीजल 97 का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी



रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी वाली कंपनी जियो-बीपी ने पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा किया है। इस साल कंपनी ने पहली बार कीमतें बढ़ाई हैं। नई कीमतें रविवार से लागू हो गई हैं। इसके बाद पंजाब में जियो-बीपी के पंपों पर पेट्रोल करीब 108.54 और डीजल 99.19 प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, हरियाणा में पेट्रोल की कीमत करीब 109.80 और डीजल की 97.75 प्रति लीटर हो गई है। पिछले 10 दिनों में जियो-बीपी पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने वाली देश की दूसरी तेल कंपनी है। इससे पहले 3 अक्टूबर को रोसनेफ्ट के समर्थन वाली नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा किया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने इसकी जानकारी दी थी। जियो-बीपी ने सितंबर में एक बार में डीजल की बिक्री 50 लीटर तक सीमित कर दी थी। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव नीरज मित्तल ने 1 अक्टूबर को कहा था कि सरकार निजी रिफाइनरी कंपनियों के साथ डीजल की बिक्री पर लगी इन पाबंदियों का मुद्दा उठाएगी और उन्हें हटाने के लिए कहेगी।

नायरा एनर्जी ने 3 अक्टूबर को पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाई हैं। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 प्रति लीटर और डीजल में 3 प्रति लीटर का इजाफा किया है।

संकट : नेतन्याहू के खिलाफ माहौल, कई सर्वे में पिछड़े, किसी भी खेमे को बहुमत नहीं

इजराइल में हमास हमले के तीन साल बाद चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी पर संकट मंडरा रहा है। 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले आए 4 प्रमुख सर्वे में से 2 में विपक्षी खेमा आगे है, जबकि एक में दोनों खेमे बराबरी पर हैं और एक में नेतन्याहू का खेमा आगे है।

किसी भी सर्वे में एक भी खेमे को सरकार बनाने के लिए जरूरी सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। ऐसे में चुनाव के बाद सत्ता की चाबी छोटे दलों के हाथ में जा सकती है।

इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी खेमे को कम से कम 61 सीटों का समर्थन चाहिए। चुनाव से



पहले आए चार प्रमुख सर्वे में किसी भी खेमे को यह आंकड़ा मिलता नहीं दिख रहा। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में कई परिवारों ने अपने लोगों को खो दिया था। अब चुनाव में ऐसे परिवारों के बीच भी नेतन्याहू को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। किबुत्ज बेरी की मेराव के माता-पिता हमले में मारे गए थे। उनका मानना है कि जिस सरकार के कार्यकाल में इतना बड़ा हमला हुआ, उसे दोबारा सत्ता में नहीं आना चाहिए।



इजराइल में चुनाव से पहले लोगों की राय बंटी

येरुशलम के महाने येहुदा बाजार में चुनावी पोस्टरों के बीच 76 साल के फल विक्रेता अब्राहम लेवी को भरोसा है कि नेतन्याहू फिर सरकार बनाएंगे। वे कहते हैं, 'नेतन्याहू को अपना काम पूरा करना है।'

लेकिन इसी शहर की जाफा स्ट्रीट पर दुकानदार इल्डा की राय अलग है। उनका कहना है कि हमास के हमले की जिम्मेदारी नेतन्याहू को लेनी चाहिए। तेल अवीव के जाफा इलाके में रहने वाले तुर्गेमान भी बदलाव चाहते हैं। वे कहते हैं कि वे गादी आइजनकोट का समर्थन करेंगे। लोगों की ये अलग-अलग राय इजराइल के चुनावी माहौल को दिखाती हैं। यहां कुछ लोग नेतन्याहू को दोबारा मौका देना चाहते हैं, तो कुछ हमास के हमले के बाद सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई में 74 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। करीब तीन साल बाद हो रहे इस चुनाव में सुरक्षा, हमास के हमले की जिम्मेदारी और नेतन्याहू का नेतृत्व बड़े मुद्दे हैं।

इस चुनाव में फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का मुद्दा प्रमुख यहूदी दलों की बहस में ज्यादा जगह नहीं पा रहा है। नेतन्याहू फिलिस्तीनी इलाकों पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखने के पक्ष में हैं। विपक्षी दल भी सुरक्षा के मामले में सख्त रुख रखते हैं।

सितंबर में एसआईपी में 32,490 करोड़ का रिकॉर्ड निवेश

म्यूचुअली फंड इंडस्ट्री का एयूएम 5.1% घटा

नई दिल्ली, एजेंसी



सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेन्ट प्लान यानी SIP के जरिए मंथली कंट्रीब्यूशन यानी निवेश 32,490 करोड़ के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है। इससे पहले अगस्त में यह आंकड़ा 32,297 करोड़ रहा था।

अगस्त के मुकाबले सितंबर में SIP कंट्रीब्यूशन में 193 करोड़ यानी लगभग 0.6% की बढ़ोतरी हुई है। इससे पता चलता है कि देश में म्यूचुअली फंड निवेश को लेकर रिटेल निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

यह लगातार दूसरा महीना है जब SIP कंट्रीब्यूशन 32,000 करोड़ के पार रहा है। हालांकि, इस दौरान म्यूचुअली फंड इंडस्ट्री के कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (AUM) में गिरावट दर्ज की गई है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के महीने में करीब 63 लाख नए SIP अकाउंट रजिस्टर्ड हुए हैं। इसके साथ ही सितंबर के आखिरी तक SIP के जरिए कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (SIP AUM) 17.86 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। SIP के जरिए निवेशक एकमुश्त रकम लगाने के बजाय हर महीने तय समय पर एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड स्कीम्स में इन्वेस्ट करते हैं। मंथली SIP कंट्रिब्यूशन उस महीने में आई रकम को दर्शाता है, जबकि SIP AUM इन्वेस्ट किए गए पैसों की मौजूदा मार्केट वैल्यू को दिखाता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96